राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सुबह उठते ही हो रहा है सिर ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 03 मई 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 132 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर बोले हिमंता बिस्वा सरमा, जिन्ना भी जिंदा होते तो ऐसा नहीं करते

बंगलुरु। कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव को लेकर अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर राजनीति भी शुरू हो गई है। इन सब के बीच असम के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने बड़ा बयान दिया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जिन्ना भी जिंदा होते तो ऐसा घोषणा पत्र जारी नहीं करते। अपने बयान में सरमा ने कहा कि गृह मंत्री ने च्ध्प् को बैन किया तो कांग्रेस बोल रही है कि वे बजरंग दल को बैन करेंगे, मुस्लिम आरक्षण को फिर से शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो घोषणापत्र जारी किया है वह पूरा मुसलमान

कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस पार्टी ने सरकार बनने पर बजरंग दल जैसे संगठनों को बैन करने का वादा किया है। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएफआई पर पहले से ही प्रतिबंध ा है। सिद्धारमैया सरकार ने पीएफआई के मामले वापस लिए इसलिए वे कह रहे हैं कि लिए वे बजरंग दल पर प्रतिबंध ा लगा देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि पीएफआई यह नहीं कह सकता कि हम बदला लेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र पीएफआई और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के घोषणापत्र जैसा दिखता है। इसके साथ ही सरमा ने कहा कि कल जारी घोषणापत्र में कुछ ऐतिहासिक घोषणा करने के लिए मैं कर्नाटक भाजपा की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि इस देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने की घोषणा या प्रतिबद्धता लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने और मुस्लिम महिलाओं के समान अधिकार को सुनिश्चित तय करेगी। हिमंता ने कहा कि कर्नाटक बीजेपी ने एक बहुत ही साहसिक प्रतिबद्धता जताई है और मुझे यकीन है कि बीजेपी कर्नाटक का ये घोषणापत्र या प्रतिबद्धता पूरे देश में यूसीसी के कार्यान्वयन की राष्ट्रव्यापी मांग की शुरूआत करेगी। राष्ट्रव्यापी एनआरसी समय की मांग है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होसपेट में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस को भगवान राम से दिक्कत थी और अब उसे 'जय बजरंग बली' कहने वालों से दिक्कत है। मोदी ने कहा कि पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है।

आखिर प्रयागराज में सीएम योगी ने क्यों कहा, जो जस करइ सो तस फल चाखा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ राज्य में निकाय चुनाव को लेकर लगातार भाजपा के पक्ष में प्रचार कर रहे है। मुख्यमंत्री योगी अतिक अहमद हत्याकांड के बाद पहली बार प्रयागराज पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने तुलसीदास की लिखी चौपाई का जिक्र किया और इशारों–इशारों में अतीक अहमद को लेकर तंज कसा। योगी ने कहा कि करम प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करइ सो तस फल चाखा। जो जैसा कर्म करेगा उसको उन्हीं कर्मों के अनुसार फल भी भोगना पड़ेगा। यही संसार का विधान है। उन्होंने कहा कि जहां अन्याय और अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति न्याय पाने की अभिलाषा से आता है, कुछ लोगों ने उस प्रयागराज की धरती को अन्याय और अत्याचार का शिकार बना दिया था। लेकिन यह प्रकृति ना किसी पर अत्याचार करती है और ना किसी के अत्याचार को स्वीकार करती है। सबका हिसाब बराबर

करके रख देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने तो सबका साथ सबका विकास के भाव के साथ काम किया है। हमने कब जाति, ध र्म, मजहब के आधार पर किसी के साथ भेदभाव किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने कभी तुष्टिकरण को प्रोत्साहित नहीं किया, जो इसे प्रोत्साहित करते थे वही भेदभाव, बंटवारा करते थे। योगी ने कहा कि आज नगरों में किसी प्रकार का शोहदों का आतंक नहीं है। आज हमारे नगर सेफ सिटी हो रहे हैं। आज युवाओं के हाथों में तमंचा नहीं है क्योंकि उन्हें तमंचे का दुष्परिणाम पता है। आज उनके हाथ में टैबलेट है और यह टैबलेट उसके टैलेंट को टेक्नोलॉजी से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि लड़कियां सुरक्षित स्कूल जा सकती हैं, व्यापारी व्यापार कर सकता है। योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश, परिवारवादी और जातिवादी मानसिकता के दलों से आगे बढ़कर एक राष्ट्रवाद की सोच के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश था जहां पर्व और त्योहार भय और आतंक के साये में मनाए जाते थे। लेकिन आज प्रदेश में पर्व और त्योहार खुशहाली लाते हैं। आज प्रदेश में कर्फ्यू नहीं, दंगा नहीं, बल्कि सभी ओर चंगा ही चंगा है। उन्होंने कहा जो लोग पहले आतंक के बल पर गरीबों की संपत्तियों पर कब्जा करते थे, व्यापारियों से रंगदारी वसूलते थे, आज गले में तख्ती लटकाकर जाने के लिए मजबूर हुए हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा–

पहले श्री राम को ताले में बंद किया, अब जय बजरंगबली बोलने वालों को...

बंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति वार–पलटवार का दौर जारी है। अब राज्य में बजरंगबली को लेकर भी राजनीति तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होसपेट में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस को भगवान राम से दिक्कत थी और अब उसे 'जय बजरंग बली' कहने वालों से दिक्कत है। उन्होंने कहा कि आज हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है। आपको बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस पार्टी ने सरकार बनने पर बजरंग दल जैसे संगठनों को बैन करने का वादा किया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के दशकों के शासन ने शहरों और गांवों के बीच खाई

को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया था, भाजपा सरकार गांव और शहर के बीच खाई को लगातार कम करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि आज हमारे गांवों के बीच शहरों जैसी सुविधा पहुंच रही है। गांव से जुड़ी दूसरी चुनौतियों का भी भाजपा सरकार समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक की मान–मर्यादा और संस्कृति पर कोई आंच नहीं आने देगी। बीजेपी कर्नाटक के विकास के लिए, यहां के लोगों को आधुनिक सुविध ा देने के लिए... नए अवसर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मोदी ने कहा कि हम्पी एक ऐसी जगह है जिसपर भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को गर्व है लेकिन गुलामी की मानसिकता से भरी कांग्रेस ने कभी भी भारत के इतिहास और विरासत पर गर्व नहीं किया। उन्होंने कहा कि इसका नुकसान हम्पी जैसे स्थानों को भी उठाना पड़ा। यह बीजेपी की ही सरकार है जो अब श्स्वदेश दर्शनश के जरिए हम्पी की ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण कर रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जिसे इस देश के हर क्षेत्र ने नकार दिया है। एक समय था जब कांग्रेस इस घमंड में रहती थी कि पूरे भारत में पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का ही शासन है लेकिन आज भारत की जनता ने कांग्रेस को गिने–चुने राज्यों में समेट दिया है। आज सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है लेकिन इन तीन राज्यों से कांग्रेस की करप्शन की भूख मिट नहीं रही है।

पीओजेके पर मोदी सरकार का बड़ा बयान

केंद्रीय मंत्री ने कहा-पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को वापस भारत का हिस्सा बनाना एजेंडे में शामिल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर में जहां इस बात के लिए आंदोलन हो रहे हैं कि इस क्षेत्र को वापस भारत के साथ मिलाया जाये वहीं केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) को फिर से हासिल करना और इसे भारत का हिस्सा बनाना सरकार के एजेंडे में है। हम आपको बता दें कि लंदन में रहने वाले जम्मू–कश्मीर मूल के छात्रों और सामाजिक समूहों के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार संभालने के बाद उन्होंने ध्1947 के बाद विभिन्न सरकारों द्वारा अतीत में की गईं कई गलतियों को ठीक करने की कोशिश की है।" ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर गए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू–कश्मीर के लोगों में अपनेपन की भावना पैदा हुई है और उन्हें देश के बाकी हिस्सों में अपने समकक्षों के बराबर अधिकार मिले हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ष्यदि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल को भारत की अन्य रियासतों की तरह जम्मू–कश्मीर को संभालने की अनुमति दी होती, तो आज पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू–कश्मीर भारत का हिस्सा होता और पीओजेके का मुद्दा कभी नहीं उठता।ष उन्होंने कहा, ष्पाकिस्तान से पीओजेके वापस लेना और इसे भारत में मिलाना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और एक राजनीतिक दल के रूप में भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे में है।"

पश्चिमी पाक के शरणार्थियों के लिए अच्छी खबर

दूसरी ओर पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों को जम्मू–कश्मीर में जमीन का मालिकाना हक मिलने का रास्ता साफ हो गया है। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि उनका प्रशासन सुनिश्चित करेगा कि केंद्र शासित प्रदेश में रह रहे पश्चिम पाकिस्तान के शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक मिले। मनोज सिन्हा ने कहा कि इन शरणार्थियों को अनुच्छेद 370 और 35ए ने राजनीतिक अधि ाकारों व अन्य फायदों से वंचित किया तथा उनकी समृद्धि बाधित की। मनोज सिन्हा ने कहा, ''पश्चिम पाकिस्तानी शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक केंद्र के निर्देशों पर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।'' उन्होंने आरएस पुरा स्थित चकरोरी में पश्चिम पाकिस्तानी शरणार्थियों के लिए एक विशेष शिविर का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''सरकार समुदाय के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

जम्मू कश्मीर के राजौरी में नियंत्रण रेखा के पास मोर्टार का गोला बरामद

राजौरी/जम्मू। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा

के निकट 120 मिलीमीटर का मोर्टार का एक गोला मिला है। अधि ाकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने सोमवार रात कलाल सीमा इलाके में नदी के किनारे गोला पड़ा देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। अधिकारी के अनुसार सूचना मिलने पर सेना के बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया और नियंत्रित विस्फोट के जरिये गोले को नष्ट किया गया।

कर्नाटक में भाजपा की यह सरकार चोरी की, राहुल का सवाल: पीएम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या किया ?

बंगलुरु। कांग्रेस ने कर्नाटक में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। पार्टी के लिए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी लगातार प्रचार कर रहे हैं। आज राहुल गांध ी ने कर्नाटक में चुनावी सबा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी कर्नाटक के गृह मंत्री का नाम कभी नहीं लेते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसके दो कारण हैं। एक कारण ये है कि मोदी जी सिर्फ नरेंद्र मोदी की बात करते हैं। जैसे कर्नाटक में चुनाव हो रहा है तो बाकि लोग कर्नाटक की जनता की, विकास, भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं लेकिन नरेंद्र मोदी जी कर्नाटक में आकर सिर्फ मोदी की बात कर रहे हैं। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा की यह सरकार चोरी की सरकार है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की सरकार ने पिछले 3 साल में क्या किया, उसके बारे में प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी एक शब्द नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि तो मैं पीएम से पूछता हूं कि ये जो आपकी सरकार है... चोरी की सरकार, तीन साल ये सरकार ने चोरी की, लोकतंत्र को नष्ट करके चोरी की इसके भ्रष्टाचार के बारे में प्रध ानमंत्री एक शब्द क्यों नहीं बोलते। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि अगर आप येदियुरप्पा, बोम्मई और कर्नाटक के गृह मंत्री का नाम लेने से डरते हो तो ये तो बता दो आपने कर्नाटक में भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या किया?

हिंदूओं के विरोध में बोलने पर मार दी जाएगी गोलीः बीजेपी विधायक

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव में अब महज कुछ ही दिन बाकी बचे हैं। ऐसे में राज्य में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। सभी पार्टियां और उनके उम्मीदवार जनता के बीच अपनी–अपनी पार्टी के प्रचार में जुटे हुए हैं। चुनाव प्रचार के बीच कई दिनों से बदजुबानी भी देखने को मिल रही है। पीएम मोदी और कांग्रेस की सोनियां गांधी पर विवादित टिप्पणी के बाद कर्नाटक के बीजेपी विधायक के एक बयान पर राज्य में बवाल मच गया है। यूपी के अतीक अहमद का किया जिक्रः बसवनगौड़ा पाटिल ने उत्तर प्रदेश में हुए अतीक हत्याकांड का उदाहरण देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जनता अगर राज्य में भाजपा को फिर से शासन करने का मौका देगी तो यहां पर भी योगी आदित्यनाथ की शैली को लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई भाजपा के खिलाफ बोलेगा तो उसके साथ भी हम यूपी जैसा व्यवहार करेंगे। जो भारत के खिलाफ बो लेगा, उसका एनकाउंटर कर दिया जाएगा। पाटिल ने आगे कहा कि ऐसे लोगों को जेल नहीं ले जाया जाएगा, बल्कि सड़क पर ही सारा फैसला किया जाएगा।

बढ़ते जा रहे विवादित बयान

कर्नाटक चुनाव में जैसे–जैसे मतदान के दिन करीब आते जा रहे हैं, वैसे–वैसे चुनाव प्रचार कर रहे नेताओं के बयान तीखे होते जा रहे हैं। इससे पहले बीजेपी नेता के एस ईश्वरप्पा ने अजान के लिए लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई थी। वहीं मल्लिकार्जुन द्वारा पीएम मोदी पर विवादित बयान दिया गया था। बीजेपी नेता द्वारा कांग्रेस की सोनिया गांधी को विषकन्या बताया गया था। बता दें कि राज्य में आगामी 10 मई को मतदान होने हैं।

जानिए क्या बोले पाटिल

बता दें कि कर्नाटक में बीजेपी के विधायक और उम्मीदवार बसवनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि जो भी हिंदुओं के खिलाफ बात करेगा। उसकी गोली मारकर हत्या कर दी जाएगी। बसवनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा ऑन कैमरा दिए गए इस बयान पर सियासी घमासान मच गया है। विपक्षी पार्टियां उन पर कार्यवाही की मांग कर रही हैं। बता दें कि विजयपुरा में जनसभा को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा कि यदि आप भारत में हमारी आस्था या भारत के खिलाप कुछ बोलते हैं, या हिंदुओं के खिलाफ कुछ भी बोलते हैं तो आपको गोली मार दी जाएगी।

सपा नेता निवर्तमान चेयरमैन सहित 42 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। करीब 8 महीने पूर्व सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले युवक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के बाद हुए पथराव और बवाल के मामले में पुलिस ने चेयरमैन समेत 42 पर मुकदमा लिखा था। इस मामले में अब बड़ी कार्रवाई की गई है। गोंडा के एक नगर पंचायत में सपा नेता निवर्तमान चेयरमैन सहित 42 सपाइयों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई में चेयरमैन को गैंग का लीडर बनाया है। निवर्तमान चेयरमैन की बहू इस बार नगर पंचायत चुनाव में अध्यक्ष पद की सपा से उम्मीदवार हैं। गोंडा जिले के नगर पंचायत खरगूपुर में बीते वर्ष अक्टूबर माह में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ त्वरित कार्यवाही करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद आरोप है कि खरगूपुर कस्बे में आरोपी के घर समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव और कांच के सीसी बोतल फेंके थे। इस बवाल में खरगूपुर के चेयरमैन लाल मोहम्मद समेत 42 लोगों पर खरगूपुर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था। वर्तमान में निवर्तमान चेयरमैन लाल मोहम्मद की बहू नसरीन बानो खरगूपुर नगर पंचायत से अध्यक्ष पद पर सपा के प्रत्याशी हैं। इस पूरे मामले में निवर्तमान चेयर को गैंग का लीडर बनाया गया है। प्रभारी निरीक्षक बोले– लाल मोहम्मद समेत 42 पर की गई गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक खरगूपुर अरुण द्विवेदी ने बताया कि बीते 10 अक्टूबर को खरगूपुर बाजार निवासी रिक्की मोदनवाल ने 10 अक्तूबर 2022 को सोशल मीडिया आपत्तिजनक धार्मिक पोस्ट कर दी थी। इसके बाद समुदाय विशेष के लोगों ने उसके घर पर हमला बोलकर मारपीट के साथ ही कांच की बोतलें फेंकीं और तोड़फोड़ की थी। इससे बाजार की दुकानों के शटर गिर गए थे। लोग घरों में दुबक गए थे। पुलिस ने आपत्तिजनक धार्मिक पोस्ट करने के आरोपी रिक्की मोदनवाल के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। इसके साथ ही हमला करने के आरोप में नगर पंचायत के तत्कालीन चेयरमैन लाल मोहम्मद समेत 42 लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज किया था। इस मामले में इनका गैंग चार्ट बनाकर पुलिस ने डीएम के सामने पेश किया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने की आदेश किया।

इन पर हुई गैंगस्टर के तहत कार्रवाई

लाल मोहम्मद निवर्तमान चेयरमैन और सपा प्रत्याशी नसरीन बानो के पति जहीर उर्फ जहीरुद्दीन रमजान, मो. वारिस, मो. अकरम, असलम अली, रिजवान, रमजान अली, मोहम्मद इमरान, रहमान, लुकमान, नकने, शमेशर, तनवीर अली, तौकीर अली, मो. युसुफ, लियाकत, अजमत अली, जोखू, आसिफ उर्फ राज, गुलाम हैदर, यासीन, साबिर, आसिफ, आरिफ, मो. शमीम उर्फ निबरु, दानिश, सोनू, बांठे, जुबेर, सकीर, समीर, अरबाज, इमरान, आजाद उर्फ एजाज, सिराज, मेराज, रहमत अली, शैफ, नूर आलम, नजीर व रिजवान के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

शांति भंग की आशंका में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर किया गया चालान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी के आदेश के क्रम मे जनपद बस्ती मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती दीपेन्द्रनाथ चौधरी के निर्देश व क्षेत्राधिकारी हर्रैया शेषमणि उपाध्याय के निकट पर्यवेक्षण मे थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार पांडेय की पुलिस द्वारा ग्राम नगरा बदली पहुँचे तो ज्ञात हुआ कि कुछ लोग आपस में विवाद कर रहे थे। मौके पर पहुचकर हम पुलिस वालो द्वारा काफी समझाने बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन मानने के बजाय अभियुक्त और उग्र होकर आमदा फौजदारी होने लगा को शांति व्यवस्था भंग होने के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 151/107/116 **CrPc** मे चालान किया गया है। जिनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय रवाना किया गया।

नगर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक की साइलेंसर से दिनदहाड़े पीट–पीटकर हत्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। नगर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक की साइलेंसर से दिनदहाड़े पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या की घटना से शहर में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही सीओ, एएसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुट गए। जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के साहबगंज सेमरा कालोनी में मारपीट के मामले में बीच बचाव करने गए एक युवक की साइलेंसर मारकर हत्या कर दी गई। कालोनी के बीच हत्या से सनसनी फैल गई। बड़गांव रेलवे कॉलोनी के रहने वाला आरिफ आरओ वॉटर सप्लाई का प्लांट लगा रखा है। वह एक निजी वाहन से शहर में पानी की सप्लाई का काम करता है। जबकि उसका भाई तारिक ठेकेदारी करता है। मंगलवार की सुबह आरिफ के प्लांट से पानी लेकर अली नाम का युवक साहबगंज मोहल्ले की तरफ जा रहा था। इसी बीच कुछ युवकों ने अली को रोक लिया और उसकी पिटाई करने लगे। इसी बीच उधर से निकल रहे तारिक ने अली को पिटता देखा तो वह बीच बचाव करने के लिए पहुंच गया। उसने अली की पिटाई कर रहे युवकों को अलग करने की कोशिश की तो आरोपी युवक तारिक से भिड़ गए और उसे पीटना शुरू कर दिया। इसी दौरान मारपीट कर रहे युवकों ने तारिक के सिर पर साइलेंसर से कई वार कर उसकी हत्या कर दी।

तारिक के जमीन पर गिरते ही भागे आरोपी

तारिक के गिरते ही मारपीट कर रहे युवक भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल तारिक और अली को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने तारिक को मृत घोषित कर दिया। जबकि अली को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। परिजनों की तरफ से अज्ञात हमलावरों के खिलाफ तहरीर दी गई है। पुलिस केस दर्ज कर छानबीन में जुटी है। जल्द आरोपियों को किया जाएगा गिरफ्तार इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने बताया कि बड़गांव के साहबगंज मोहल्ले में मारपीट के दौरान एक युवक की मौत हुई है। एक अन्य घायल है। उसे जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। छानबीन के दौरान पता चला है कि मृतक और हमलावर एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। कुछ लोगों के नाम भी प्रकाश में आए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

कांग्रेस प्रत्याशी सबीहा खातून पत्नी अफसर यूं अहमद ने तेज किया जनसंपर्क

वायदा नही नगर पालिका बस्ती का होगा विकास अफसर यूं अहमद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। नगर निकाय चुनाव के नामांकन के बाद प्रत्याशियों ने

जनसम्पर्क अभियान तेज कर दिया, सभी दलों के नेता मतदाताओं को लुभाने के लिए तमाम प्रकार के वायदे भी कर रहे है तो वही मतदाता भी परखने में लगा है कि कौन प्रत्याशी क्षेत्र का वास्तविक विकास कर सकता है। इसी क्रम में जिले की नगर पालिका बस्ती के लिए सभी प्रत्याशियों ने अपनी–अपनी जोर ताकत झोंकना शुरू कर दिया है। नगर पालिका बस्ती से अध्यक्ष पद के कांग्रेस प्रत्याशी सबीहा खातून पत्नी अफसर यूं अहमद ने नगर पालिका बस्ती, अनेक वार्डों में जनसमर्क अभियान चलाया उन्होंने नगर वासियों से अपील किया कि वह नगर पालिका के विकास के नाम पर वोट करें। उन्होंने कहा कि अगर हम आपके वोटों के द्वारा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद पर विजय होते हैं तो सबसे पहली प्राथमिकता नगर पालिका बस्ती की विकास की गति पर जोर देंगे। नगर पालिका की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उसको सही कराया जाएगा और व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से निदान किया जाएगा ,नगर पालिका के सभी वार्डों में बिजली, पानी, सड़क, सफाई, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार कराया जाएगा। सबीहा खातून पत्नी पूर्व विधायक अफसर यूं अहमद ने नगर पालिका के समस्त क्षेत्रवासियों से अपील किया कि नगर पालिका के विकास करने वाले प्रत्याशी का चयन करें किसी के बहकावे में ना आये।

गैंगेस्टार अभियुक्त को गिरफ्तार कर पुलिस ने गोंडा किया रवाना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार

आनंद सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी अखिलेश वर्मा कुशल निर्देशन पर मंगलवार को फैजदारी वाद संख्या 1313ध12 व मु. अ. सं 19ध13 धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट से संबंधित वारंटी कमीउल्लाह उर्फ समीउल्लाह उर्फ जोजे पुत्र अब्दुल हमीद साकिन सोहास जनूबी टोला बंजरहा थाना उसका बाजार सिद्धार्थनगर अभियुक्त 48 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय जनपद गोंडा रवाना किया गया। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज ने बताया कि अभियक्तु छः महीने से चोरी छिपे रहता था अभियुक्त के खिलाफ जनपद गोंडा में गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही हुई थी जिसके बाद से अभियुक्त जनपद सिद्धार्थनगर आकार रहने लगा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर गिरफ्तार कर जनपद गोंडा के लिए रवाना किया गया।

बस्ती राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित होगी जनसभा, दोपहर 12 बजे पहुंचेंगे मुख्यमंत्री

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। 11 मई को जनपद में होने वाले मतदान को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहर के राजकीय इंटर कॉलेज में गुरुवार को जनसभा को संबोधित करेंगे। नगर निकाय चुनाव में फतह करने के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भी भरेंगे। वह यहां भाजपा के नगर पालिका प्रत्याशी सीमा खरे समेत नौ नगर पंचायतों के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने के लिए आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता तैयारियों में जुट गए हैं। बस्ती समेत आसपास के नगर पंचायतो से भी भाजपाई इस जनसभा में हिस्सा लेने के लिए आ रहे हैं। चुनाव के ठीक सात दिन पहले मुख्यमंत्री का आना कहीं न कहीं भाजपा प्रत्याशियों की राह आसानी कर सकती है। नेता व कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं से लेकर प्रशासन कार्यक्रम की तैयारी में जुट गया है। इसको लेकर किसान मोर्चा, पिछड़ा मोर्चा, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, अनुसूचित मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारी वर्ग, अधिवक्ता वर्ग, चित्रांश क्लब, महिलाओ विंग सहित अन्य वर्ग समूहों की बैठके सुरु हो गई है। सांसद हरीश द्विवेदी ने कहाँ यह रैली बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहेगी, सभी तैयारिया तेजी से चल रही है कार्यक्रम का अंतिम लगभग तैयार है। बड़ी संख्या में लोग सम्मलित होंगे इस तरह से तैयारी की गई है। भाजपा प्रत्याशी सीमा खरे ने नगर वासियों से अपील की है की 4 मई को लोकप्रिय मुख्यमंत्री को सुनने के लिए जीआईसी ग्राउंड में अवश्य पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर राजनैतिक गलियारे में

खलबली मच गई है उत्साहित कार्यकर्ता शहर वासियों से कार्यक्रम में पहुँचने के लिए डोर टू डोर जनसम्पर्क करने लगे है। चुनाव कार्यालय प्रभारी अमृत कुमार वर्मा ने बताया की जमीनी स्तर से लेकर सोशल मीडिया पर भी युद्ध स्तर पर प्रचार प्रसार तेज हो गए है । प्रचार वाहन भी सभी वार्डो में पहुँच रहे है।

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से पाप से मिलती है मुक्ति कथा व्यास दामोदर धर शास्त्री जी महाराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटियाथोक,गोंडा। गोंडा जनपद के इटियाथोक क्षेत्र के गजाधरपुर ग्राम पंचायत में चल रही श्रीमद्भागवत कथा अयोध्या से पधारे

कथा व्यास दामोदर धर शास्त्री जी महाराज के मुखारविंद से भगवान के जन्म की कथा सुनाई गई जिसे सुनकर उपस्थित भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। कथा व्यास दामोदर शास्त्री जी महाराज उपस्थित लोगों को श्रीमद्भागवत की महिमा के बारे में बताया जो मनुष्य श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करते हैं पाप से मुक्त हो जाते है।यह कथा 27 अप्रैल से प्रारंभ हुई है 4 मई को कथा समाप्त होगी 5 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है श्रीमद् भागवत कथा में क्षेत्र से तथा दूर दराज से आएं भक्तगण कथा का आनंद ले रहे है। इस अवसर पर राम अछैवर वर्मा, चौतू वर्मा, अशोक कुमार प्रधान प्रतिनिधि, शिवा कश्यप, दयाशंकर द्विवेदी, आशीष कुमार श्रीवास्तव, सुरेश कुमार नंदकिशोर सहित कई भक्तगण उपस्थित रहे।

6 व 7 को केजीएमयू में मेडिसिन अपडेट का होगा आयोजन

लखनऊ (आरएनएस)। केजीएमयू में 6 व 7 को मेडिसिन अपडेट का आयोजन करने जा रहा है। यह मेडिसिन विभाग में एपीआई लखनऊ चौप्टर व 66 इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन के सहयोग से पीजी मेडिसिन अपडेट का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें इसमें केजीएयू के विश्व प्रसिद्ध प्रवक्ता व उत्तर प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों के 666 चिकित्सक अपने व्याख्यान देंगे। यह अपडेट मुख्य रूप से मेडिसिन विभाग के परास्नातक छात्रों के लिए 6 आयोजित किया जा रहा है। इसमें लगभग 200 से 300 सामान्य चिकित्सक व विश्वविद्यालय के छह दूसरे विभागों के संकाय सदस्य प्रतिभाग करेंगे। इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविवि मेडिसिन विभाग की ओर से प्रथम बार आयोजित की जा रही है।

विभिन्न धाराओं में वांछित अभियुक्त पकड़ा गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। एसपी अमित कुमार आनन्द के आदेश के क्रम मे अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत मु.अ.सं.109ध2023 धारा 147,148,149,307,427 भ.द.वि से सम्बंधित वांछित अभियुक्त रामगणेश पुत्र वीपत साकिन मदनपुर थाना उसका बाजार सिद्धार्थनगर उम्र 30 वर्ष मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायालय सदर रवाना किया गया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज न बताया कि गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसआई चन्द्रशेखर पाण्डेय, कांस्टेबल सीमान्त यादव, सतीश चौहान शामिल रहे।

नगर पालिका बांसी में परिवर्तन की लहर चल रही : सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका बांसी में परिवर्तन की लहर चल रही जनता भाजपा प्रत्याशी पूनम जैसवाल को चेयर मैन बनाने का संकल्प ले चुकी है। उक्त विचार भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने मंगल बाजार मे भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित नुक्कड़ सभा में व्यक्त की। जगदम्बिका पाल ने कहा की यह चुनाव बांसी के विकास की नई तस्वीर लिखेगा भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीतेंगी तो मै स्वयं और विधायक जयप्रताप सिंह जी मिलकर बांसी का चतुर्दिक विकास करेंगे। जगदम्बिका पाल ने कहा की लगातार यहां समाजवादी पार्टी का चेयरमैन बना पर नगर में अब तक एक अच्छे पार्क की व्यवस्था नही दिखी जो दुर्भाग्यपूर्ण

है। जब प्रदेश मे पूज्य योगी आदित्यनाथ की सरकार हो केंद्र मे नरेंद्र मोदी की सरकार हो तो बांसी में उसी की विचारधारा की वाहक भाजपा प्रत्याशी पूनम जैसवाल के नेतृत्व वाली सरकार होनी चाहिए और तब ट्रिपल इंजन की सरकार विकास की गति को आगे ले जाने मे सक्षम होगी। नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए बांसी के विधायक जयप्रताप सिंह ने कहा की जनता की अदालत में आज मै स्वयं और सांसद जगदम्बिका पाल आप सभी से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील कर रहे है क्योंकि विकास तभी सम्भव होगा जब एक हि विचाधारा के लोग नेतृत्व करें। नगर का बेहतर विकास हो तब जरूरी हो जाता है की परिवर्तन कर एक मौका भाजपा प्रत्याशी पूनम जैसवाल को दें। नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी पूनम जैसवाल ने कहा की आपको विश्वास दिलाती हुं की अगर आपका आशीर्वाद प्राप्त हुआ चुनाव में विजयी हुई तो नगर पालिका बांसी विकास में प्रदेश में एक नम्बर पर खड़ा होगा स्वच्छ सुन्दर नगर की परिकल्पना गरीबो की सेवा मेरा मकसद होगा। नुक्कड़ सभा को पूर्व जिला महामंत्री दिलीप चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष गौरी शंर्क अग्रहरी, जिला मंत्री आनंद मणि त्रिपाठी, नगर संयोजक मंगल् चौरसिया ने भी सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जगदंबिका पाल ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल तथा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजीव राय ने मुख्य मंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया 4मई को प्रदेश के मुखिया गोरक्षपीठाधीश्वर परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ का आगमन बी एस ए ग्राउंड सिद्धार्थ में हो रहा है जिसको लेकर सांसद जगदंबिका पाल ने स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए इस अवसर पर जिला संयोजक कन्हैया पासवान जिला उपाध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, राजेन्द्र पांडे संपूर्णा पांडे अखंड पाल मुरारी सिंह आदि मौजूद रहें।

पुरुष कर्मियों की छटनी को लेकर केजीबीवी संघ ने सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका

विद्यालय में कार्यरत पुरुष कर्मियों की छटनी को लेकर केजीबीवी संघ के लोग मगंलवार को सांसद, जिलाधिकारी, बीएसए को ज्ञापन सौंप छटनी को अनुचित बताते हुए आदेश पर पुनर्विचार करने का मांग किया है। संघ की जिलाध्यक्ष ममता सिंह, अपर्णा सिंह, निशा सिंह, गीता यादव, नीता वर्मा की अगुवाई में सांसद जगदंबिका पाल को उनके आवास मिल ज्ञापन सौंपा। इसमें लिखा है कि केजीबीवी में जरूरत के अनुसार पार्ट टाइम टीचर, लेखाकार, चपरासी और चौकीदार के पद पर पुरुषों की तैनाती हुई थी। ये विद्यालय से संबंधित कार्य को नियमित रूप से करते हैं। विद्यालय संचालन में इनका अहम योगदान है, ऐसे में इनकी छटनी करना इनके भविष्य से खिलवाड़ करना है। यह बेरोजगार हो जायेंगे और इनके परिवार के सामने भरण पोषण का संकट खड़ा हो जायेगा। लिखा है कि विद्यालय में उपयोग होने वाली सब्जी, फल, दूध, गैस सिलेंडर, बीमार बच्चियों को अस्पताल पहुंचाने में मदद करना, हिंसक और जहरीले जंतुओं से बचाव करना जैसे अनेक कार्य में इनका सहयोग मिलता है। छटनी के जद में प्रदेश भर के लगभग तीन हजार और जिले के 50 पुरूष कर्मी प्रभावित होंगे। सांसद जगदंबिका पाल ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से वार्ता कर इस पर रोक लगाने की मांग की। इसके बाद इन लोगों ने डीएम संजीव रंजन, बीएसए देवेंद्र कुमार पांडेय को भी ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अभय कुमार, नितेश गुप्ता, जयप्रकाश, विनय सिंह, रीना यादव, चंद्रभूषण, पंकज, सुनील, संजीव, नीलम, सुनीता आदि मौजूद रहे।

वोटरों पर चढने लगा लोकतंत्र के पर्व का रंग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज निकाय चुनाव के दूसरे चरण में होने जा रहे चुनाव में अब वोटरों के ऊपर भी लोकतंत्र के पर्व का रंग चढने लगा है। किस पार्टी से कौन सा प्रत्याशी निकाय चुनाव में अपनी दावेदारी पेश करेगा ये अब पूरी तरह साफ हो चुका है। जिले के डुमरियागंज नगर पंचायत में बहुत जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है, सपा, बसपा और कांग्रेस से जहां बहुप्रतीक्षित उम्मीदवार ही प्रत्याशी घोषित हुए तो वहीं भाजपा में डुमरियागंज नगर पंचायत से टिकट मांग रहे श्याम सुन्दर अग्रहरि और मधुसूदन अग्रहरि के बीच जबरदस्त रस्साकशी देखने को मिला। अंततः पार्टी आलाकमान ने पूर्व चेयरमैन मधुसूदन अग्रहरि की पत्नी बीना देवी के ऊपर ही भरोसा जताते हुए पार्टी प्रत्याशी घोषित किया घपार्टी के निर्णय से नाराज श्याम सुन्दर ने निर्दल चुनाव लड़ने का फैसला लेते हुए गदा चुनाव चिन्ह लेकर मैदान में कूद पड़े घश्याम सुन्दर के इस निर्णय से कोर भाजपा वोटर भी असमंजस की स्थति में पहुंच गया और अभी तक भाजपा के लिए आसान नजर आ रहा चेयरमैन का पद अब बहुत मुश्किल नजर आने लगा है। हालांकि भाजपा के पूर्व विधायक राघवेंद्र सिंह समेत तमाम कार्यकर्ताओं के लगातार प्रयास से एक बार फिर भाजपा ना सिर्फ पूरी तरह से लड़ाई में लौट रही है बल्कि उसके कोर मतदाता भी असमंजस की स्थति से बाहर निकल कर भाजपा का पूरी तरह साथ देने लगे हैं। इस बीच मिनी विधानसभा बने चाय की दुकानों पर भी सभी वोटर अपने अपने प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताते हुए नजर आ रहे है। भारत में चुनाव एक पर्व की तरह क्यों होता है इसकी एक बानगी देखने को मिल रही है, इस वक्त चाय की दुकान हो या खेत खलिहान या फिर कोई मकान हर वोटर हर सपोर्टर और हर घर में बस सिर्फ एक ही चर्चा है और वो है इस बार निकाय चुनाव में कौन बनेगा चेयरमैन ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश चौरसिया ने कहा कि इस देश में चुनाव को एक पर्व की तरह सिर्फ इसलिए मनाया जाता है क्योंकि चुनाव में हर जाति, धर्म और मजहब के लोग एक साथ शामिल होते हैं इससे पूरे विश्व में ना सिर्फ हमारी ताकत बढ़ती है बल्कि हमारा लोकतंत्र भी लगातार मजबूत होता है।

मानक के विपरित हो रहा है आरसीसी नाला निर्माण ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर,सिद्धार्थनगर। नौगढ़ विकास खंड के ग्राम पंचायत

बर्डपुर नंबर 14 के टोला झंडे नगर में जिला पंचायत द्वारा बनाए जा रहे आरसीसी नाले में मानक की धज्जियां उड़ाई जा रही है नाममात्र के सरिया डालकर सीमेंट बालू के मिश्रण में 5 रू 1 का मसाला देशी बालू डाल कर नाला बनाए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश हैं।ग्रामवासी अनूप श्रीवास्तव ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री के पोर्टल पर किए है। जिला पंचायत द्वारा ग्राम झंडे नगर में आरसीसी नाले का निर्माण कराया जा रहा है इस नाले में मानक की खूब धज्जियां उड़ाई जा रही है सीमेंट बालू का 5 रू 1 का मिश्रण देशी बालू के साथ किया जा रहा है जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने शुरू में ही जेई से किया गया था लेकिन कोई फर्क तब्दीली नहीं आया पुरा का पूरा नाला मानक विहीन बनाया जा रहा है। जब कि आरसीसी नाला में केवल फर्श नीचे बनाते समय ही देशी बालू का इस्तेमाल होना चाहिए और दीवाल में मोरंग बालू का प्रयोग होना चाहिए।नाला का दीवाल में सरिया दूर दूर लगाया गया है जिस नाले की दीवाल में पुरा का पूरा नाली मोरंग बालू में बनाया जाना चाहिए उसमे देशी बालू का खुलकर प्रयोग किया गया है ग्रामीणों ने मौके पर मना भी किया लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा तो ग्रामीणों ने इसकी शिकायत जिला पंचायत के जेई से दो बार किए लेकिन उसके बाद भी कोई फर्क नही पड़ा और नाली में कम सरिया के साथ देशी बालू का प्रयोग जमकर हुआ अगर देशी बालू की जांच किया जाय तो लगभग आधा देशी बालू ही मिलेगा।

मोहल्ले और गलियां सभी प्रत्याशियों के पोस्टर व बैनर से पटे, सोशल मीडिया बना प्रचार का जरिया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में पालिका चुनाव के दौरान जहां मोहल्ले और गलियां सभी प्रत्याशियों के पोस्टर व बैनर से पट चुके हैं। पूरे नगर में रिक्शे पर चुनाव प्रचारकों द्वारा प्रत्याशियों का एजेंडा बताकर लाउडस्पीकर पर प्रचार किया जा रहा है। इन सबके अलावा इस आधुनिकता के समय में चुनाव प्रचार में सोशल मीडिया की एक और कड़ी बढ़ चुकी है। प्रत्याशी सोशल मीडिया को भी प्रचार का जरिया बना रहे है। प्रत्याशी व उनके समर्थक नए–नए ग्रुप बनाकर व्हाट्सएप और फेसबुक के जरिए अपने अपने चुनाव प्रचार में जुटे है। नगर निकाय चुनाव में सोशल मीडिया पर जमकर प्रचार किया जा रहा है। चुनाव में अपने पक्ष में माहौल बनाने का सोशल मीडिया अहम रोल निभा रहा है। नामांकन प्रक्रिया से शुरू हुआ सोशल वार लगातार जारी है। अध्यक्ष पद से लेकर सदस्य पद के दावेदार सोशल पर जनसम्पर्क की तस्वीरों से लेकर वोट की अपील की जा रही है। माहौल बनाने के लिए सोशल मीडिया को माध्यम बनाया रहा है। राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों की तरफ से सोशल मीडिया सियासी मिसाइल दागी जा रही है। दलों के उम्मीदवारों सहित निर्दलीय प्रत्याशी भी हाइटेक प्रचार को तवज्जो दे रहे हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, टिवटर पर ग्रुप बनाकर उम्मीदवार अपनी बात दावे व वादे मतदाताओं तक पहुंचा रहे हैं। नगर की करीब 75 प्रतिशत शहरी मतदाता सोशल मीडिया से जरुर जुड़े हैं। अमूमन हर घर में फेसबुक व व्हाट्सएप्प जरुर यूज कर रहे हैं। ऐसे में आसानी से मतदाताओं तक बात पहुंचाई जा सकती है। निकाय चुनाव में सोशल मीडिया प्रचार का सशक्त माध्यम बन रहा है। भाजपा, सपा, कांग्रेस, बसपा के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी निकाय चुनाव में सोशल मीडिया पर सक्रिय है। वहीं कई दावेदारों ने सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के लिए कार्यकर्ताओं की टीम भी बना रखी है। कहने को तो सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए टीम बनी है, लेकिन निगरानी टीम अभी तक इस पर कोई कंट्रोल नहीं कर सकी है। मीडिया पर भी प्रत्याशी एक दूसरे से आगे निकलने के लिए सारे जतन कर रहें हैं। व्हाट्सएप से लेकर अन्य सोशल साइट्स पर एक एक प्रत्याशी के ग्रुप बनाएं गये। कुछ में कार्यकर्ता, समर्थक तो कुछ में नगर के लोगों को जोड़ रखा है। पल पल की अपडेट ग्रुप में पोस्ट की जाती है, साथ ही दूसरे दावेदारों पर वार भी हो रहें हैं।

पशुपालन विभाग गौशाला एवं गौ संरक्षण को लेकर लगातार सक्रिय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार का पशुपालन विभाग जहां एक तरफ गौशाला

एवं गौ संरक्षण को लेकर लगातार सक्रिय है एवं कार्य कर रहा है, उसी के साथ–साथ उत्तर प्रदेश सरकार के वित्तीय सहयोग से गोवंश की पशुओं में वर्गीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान का महा अभियान ष्मिशन मिलियन सेक्सड ए०आई० अभियान का भी शुभारंभ हो चुका है। पशुपालन विभाग सिद्धार्थ नगर के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एमपी सिंह ने कहा है कि पशुपालक भाइयों के लिए खुशखबरी की बात यह है कि उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा उठाए गए इस क्रांतिकारी कदम से ए० आई०के लिए वर्गीकृत वीर्य का मूल्य जहां घ300 लगता था वही घटकर घ100 कर दिया गया है,जो निश्चित रूप से पशुपालको के आय की वृद्धि का स्रोत भी होगा और इससे पशुओ के नस्लों का सुधार भी किया जा सकता है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एमपी सिंह ने बताया कि इस नवीन तकनीकी अंतर्गत उच्च गुणवत्ता युक्त इच्छा अनुरूप 90: मादा संततियों की प्राप्ति होंगी। यह योजना उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में संचालित हो रही है। प्रदेश के समस्त पशुपालकों को मात्र रूपये घ100 प्रति कृत्रिम गर्भाधान का सरकारी शुल्क देना पड़ेगा। यह नया कदम नस्ल सुधार के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा तथा 40: अधिक मादा संतति प्राप्त होगी,जिसके फलस्वरूप साल में अधिक दिन तक दुग्ध उत्पादन कर पशुपालन की आय में निश्चित वृद्धि भी होगी। नर बछड़ों की संख्या में 40: कमी के साथ कम दूध देने वाली माता पशुओं पर आपके द्वार पर किए जा रहे दुग्ध उत्पादन के खर्चे में कमी भी आएगी। बाहर से अधिक मूल्य लगाकर भी ज्यादा दूध देने वाली बछिया क्रय करने की परेशानियों से भी मुक्ति मिलेगी। नर बछड़ों की संख्या नियंत्रित करने के साथ–साथ सड़क दुर्घटना एवं फसल नुकसान से भी राहत मिलेगी। नर पशु एवं कम उत्पादकता वाले मादा पशुओं की संख्या में कमी आने से उनके द्वारा वातावरण में उत्सर्जित मिथेन गैस में कमी आएगी जिससे ग्लोबल वार्मिंग,जलवायु परिवर्तन में प्रदेश की सकारात्मक भागीदारी बढ़ेगी। पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति ने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान कराने से पूर्व पशुओं के गर्भ धारण करने के लिए कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए जैसे कि कृत्रिम गर्भाधान से पहले पशु को कीड़े मारने की दवा दी गई हो तथा 3 सप्ताह तक गुणवत्ता युक्त मिनरल मिश्रण खिलाया गया हो। कृत्रिम गर्भाधान के समय पशु का वजन 200 किलो के ऊपर होना चाहिए। अरुण कुमार प्रजापति ने बताया कि बछिया में दो प्राकृतिक हिट चक्र देखने के बाद ही कृत्रिम गर्भाधान करना उपयुक्त होगा। पशुओं के गर्भाशयध्जननांगध्प्रसव संबंधी किसी संक्रमण अथवा समस्या से पूर्व में ग्रसित होने पर वर्गीकृत वीर्य का उपयोग उस पशु में न कराएं। कृत्रिम गर्भाधान के 28 दिन पश्चात किट द्वारा गर्भ परीक्षण अवश्य कराएं तथा पशु गर्भित ना होने की दशा में दोबारा हिट पर आने पर वर्गीकृत से ही पुनः कृत्रिम गर्भाधान कराएं। पशुओं में प्रातः काल या देर सायं काल कृत्रिम गर्भाधान कराना उचित होता है। पशु के हिट में आने पर शुरू के 18 घंटे के पश्चात ही कृत्रिम गर्भाधान कराना अच्छा माना जाता है। पशुपालक को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कृत्रिम गर्भाधान कराने के उपरांत खाली सीमेन स्ट्रा संतति उत्पन्न होने तक अवश्य संभाल कर रखें। कृत्रिम गर्भाधान हेतु चयनित पशुओं का बीमा कराना उचित होगा पशु बीमा है तो उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार के संयुक्त सहयोग से 70 से 90: की सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। वर्गीकृत वीर्य से कृत्रिम गर्भाधान कराने हेतु पशुपालक को अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क करना चाहिए। उक्त जानकारी पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति ने दी।

वाच टावर से सागर की होगी निगरानी, पंक्षियो के शिकार पर लगेगा अंकुश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के चर्चित सागर मझौली में

प्रवासी पक्षियों के आगमन से सागर की सौंदर्यता बढ़ती रही है।तो वही चोरी छुपे इनका शिकार भी होता रहता है।जिससे इनके आगमन में कमी भी हो रही है। सिंचाई विभाग ड्रेनेज खंड सिद्धार्थनगर द्वारा इनकी सुरक्षा को संज्ञान में लेते हुए।वाच टावर का निर्माण कार्य शुरू कराया है। जो मझौली सागर के दक्षिण क्षोर पर 13.8 मीटर ऊंचा बनाया जा रहा है। प्रवासी पक्षियों में आने वाले ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक बिंग्ट स्टिल, नार्दर्न पिंटेल, रोजी पेलिकन, स्टार्लिग, साइबेरियन सारस, कामन टील, लांग विल्ड, पिपिट आदि हैं। अब इनका आना कम हो रहा है। क्योंकि, प्रवास मार्ग में मनोरंजन और मांस के लिए इनका शिकार किया जाना है। विभाग के जे ई मुनीब कुमार ने कहा मझौली सागर में आने वाले प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा हेतु वाच टावर का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लगने से दूर से निगरानी की जा सकेगी,जिससे सागर से अनावश्यक पानी का गिराना,पक्षियों के शिकार पर अंकुश लगाने में लाभ प्रद होगा। जरूरत पड़ी तो टावर पर दूर दृष्टि यंत्र से लैस कराया जाएगा। जिससे निगरानी में और सहयोग मिल सकेगा।

सम्पादकीय

राजस्थान सरकार का अनुमान है कि वहां तीन लाख से अधिक गिग वर्कर इस समय काम कर रहे हैं। देश भर में यह संख्या 75 लाख से ऊपर बताई जाती है। इसलिए अब श्रम के इस रूप पर गौर करना जरूरी हो गया है। केंद्र और कुछ राज्य सरकारों ने इस श्रमिकों के कल्याण के कुछ कदम उठाए हैं। लेकिन उन्हें कानूनी ...

एक और स्वागतयोग्य पहल

राजस्थान का स्वास्थ्य का अधिकार कानून पूरे देश में अपनी तरह की पहली पहल थी। उसी तरह गिग वर्कर्स के हितों के संरक्षण का कानून बनाना पहली पहल है। आशा है, अब दूसरे राज्य भी राजस्थान सरकार की पहल से सबक लेंगे। सबको सेहत का अधिकार देने का कानून बनाने के बाद अब राजस्थान सरकार ने एक उतनी महत्त्वपूर्ण और पहल की है। स्वास्थ्य का अधिकार कानून पूरे देश में अपनी तरह की पहली पहल थी। उसी तरह गिग वर्कर्स के हितों के संरक्षण का कानून बनाना पहली पहल है। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने यह कानून बनाने का एलान इस वर्ष फरवरी में पेश अपने बजट में किया था। अब उस प्रस्तावित कानून का मसविदा तैयार कर लिया गया है। इसके तहत गिग वर्कर्स को उचित संरक्षण देने तथा उनके कल्याण की योजना लागू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। गिग वर्क पिछले कुछ वर्षों में प्रचलित हुआ नया चलन है। इसके जरिए कंपनियों ने श्रमिकों के हक मारने का उपाय कर लिया है। आधुनिक तकनीक ने इसके लिए उन्हें सक्षम बनाया है। इस रूप में आधुनिक तकनीक श्रमिक वर्ग के हित संरक्षण के बजाय उनके शोषण में कंपनियों की सहायक बन गई है। इस प्रचलन के तहत श्रमिकों को काम पर रखने वाली कंपनियां खुद को एग्रीगेटर, मध्यस्थ या सुविधादाता कहकर नियोक्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारी से बच निकलती हैं। गिग कर्मचारियों को बिना किसी निश्चित आय, बीमा, सेवानिवृत्ति, या पेंशन लाभ के खुद अपना ख्याल रखने के लिए छोड़ दिया जाता है । जिस कारोबार में वे हों, उनमें हर जरूरी निवेश उन्हें खुद करना पड़ता है। कंपनियां उनका ग्राहकों से संपर्क करवाने भर की सेवा देती हैं। बदले में वे उनके 25 से 30 फीसदी तक की आमदनी हड़प लेती हैं। टैक्सी सेवाओं से लेकर घर में साफ–सफाई और घरेलू उपकरणों की मरम्मत जैसी सेवाएं आज रूप में दी जा रही हैं। राजस्थान सरकार का अनुमान है कि वहां तीन लाख से अधिक गिग वर्कर इस समय काम कर रहे हैं। देश भर में यह संख्या 75 लाख से ऊपर बताई जाती है। इसलिए अब श्रम के इस रूप पर गौर करना जरूरी हो गया है। केंद्र और कुछ राज्य सरकारों ने इस श्रमिकों के कल्याण के कुछ कदम उठाए हैं। लेकिन उन्हें कानूनी संरक्षण देने की पहल पहली बार राजस्थान में ही हो रही है। आशा है, इससे दूसरे राज्य भी सबक लेंगे।

धार्मिक एकीकरण का सबसे सशक्त अभियान गोस्वामी तुलसीदास का था

गोस्वामी तुलसीदास जी संस्कृत भाषा के भी प्रकांड ज्ञानी थे। किंतु लोकभाषा अवधी में श्रीरामचरित मानस की रचना कर वे जन जन को अपनी धार्मिक मुहिम का हिस्सा बनाते हैं। वे कवि के साथ मध्यकालीन धार्मिक आंदोलन की सशक्त अभिव्यक्ति हैं। आज भी उनका श्रीरामचरित मानस सामाजिक एकत्रीकरण का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है। लोक में व्याप्त राम कथा का व्यास एक ऐसे सामाजिक लोकवृत्त की अवधारणा को रुपायित करता है जिसमें समाज के वंचित, शोषित और उत्पीड़ित सभी वर्गों के लोग राजा राम के नेतृत्व में रावणी सत्ता का विनाश करते हैं। तब वे भगवान की श्रेणी में आ जाते हैं। आप देखिए कि रावण सामंती ताकतों की शक्ति का संचित केंद्र बिंदु है जबकि श्रीराम मध्यवर्गीय किसानों की एकजुटता को प्रदर्शित करने वाले महानायक हैं। दरअसल भगवान श्रीराम के माध्यम से तुलसीदास किसानों के बीच आपसी ईर्ष्या और कलह को दूर करने का प्रयास कर रहे थे। सनातनी सामाजिक एकीकरण के मार्ग को प्रशस्त करने वाला इतना बड़ा कवि विश्व साहित्य के इतिहास में दुर्लभ है। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा धार्मिक आंदोलन की सशक्त अभिव्यक्ति इसलिए हो पाती है क्योंकि प्रभु श्रीराम उनकी संचित रचनाधर्मिता के केंद्र बिंदु हैं। आप यह भी देखिए कि जहां भी राम शब्द की व्याप्ति होती है, वहां सुख की परम अनुभूति सुनिश्चित है। इसीलिए सनातनी परंपरा और मान्यता में राम शब्द को ब्रह्म की उपाधि से विभूषित किया गया है। यही राम का रामत्व है। प्रभु श्री राम के नाम की यही महिमा भी है। ब्रह्म स्वरूप में प्रभु श्री राम की शक्ति है कि मूर्च्छित व्यक्ति भी चेतना संपन्न हो जाते हैं। मूक वाचाल हो जाता है और लंगड़ा व्यक्ति दौड़ने लगता है। यह होती है प्रभु श्री राम के नाम की ताकत, जिनके बूते पर व्यक्ति महान कर्मों से युक्त हो जाता है। दरअसल भगवान श्रीराम में रामत्व शक्ति का जो प्रादुर्भाव और चेतना संपन्नता है, वह भगवान शिव के कारण ही है। उनके ब्रह्म स्वरूप में होने के कारण है। उसमें भगवान शिव के अनंत भक्त गोस्वामी तुलसीदास जी ने भगवान श्रीराम की आराधना के द्वारा पहली बार हिंदू जागरण की अलख जगाई। आदि गुरु शंकराचार्य भारत के धार्मिक एकीकरण का मार्ग प्रशस्त कर चुके थे। मध्यकालीन अंधकार युग में तुलसी एक प्रकाश पुंज हैं। इन्हीं गोस्वामी तुलसीदास में शिवत्व और रामत्व की चेतना अंतर्विलीन हुई इसी चेतना के कारण मनुष्य के अंतर्मन में धार्मिक तत्वों के द्वारा आत्मबल उत्पन्न करने वाले गोस्वामी तुलसीदास जी कुशल मनीषी और आंदोलनकर्ता हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का सन्देश

छत्तीसगढ़ में भाजपा को बड़ा झटका

छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है और 90 में से 29 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। पिछली बार भाजपा को आदिवासी इलाके में एक भी सीट नहीं मिली थी, तो इस बार भी जीत के आसार दिख नहीं रहे। बल्कि विधानसभा के बाद आम चुनावों में भी भाजपा के लिए मुश्किल बढ़ सकती है। जबकि श्री साय के कांग्रेस प्रवेश से अब बस्तर से लेकर सरगुजा तक कांग्रेस को जो मुश्किलें पेश...

आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ राज्य में इस वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बार भी कांग्रेस की वापसी के आसार मजबूत हैं, जबकि भाजपा के लिए अपनी खोई सत्ता को दोबारा हासिल करना कठिन होता जा रहा है। इस कठिनाई के बीच भाजपा को एक जोरदार झटका लगा है। भाजपा के तीन बार विधायक, तीन बार सांसद, नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष रह चुके, कद्दावर आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। चुनावी मौसम में राजनेताओं का दलबदल करना अब मामूली बात हो गई है। पद और सत्ता के लोभ में बहुत से नेता विचारधारा को ताक पर रखकर उस दल में चले जाते हैं, जिसके सत्ता में आने की संभावनाएं अधिक होती हैं। दलबदलू नेताओं की साख और प्रभाव सवालों के दायरे में रहते हैं। लेकिन नंदकुमार साय का प्रकरण अलहदा है। वे राजनीति के शुरुआती दौर से भाजपा से जुड़े रहे। पहले अविभाजित मध्यप्रदेश और फिर छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद भाजपा की जड़ें मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका रही। हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भाजपा की पैठ आदिवासी इलाकों में बनाने के लिए नंदकुमार साय ने बहुत मेहनत की। जब छत्तीसगढ़ राज्य बना तो आदिवासी चेहरे को आगे करने के लिए कांग्रेस ने अजीत जोगी पर दांव लगाया। उनके सामने नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी भाजपा ने आदिवासी नेता नंदकुमार साय को दी। श्री साय ने अपनी भूमिका से पूरा न्याय किया। अजीत जोगी के मुख्यमंत्रित्व काल में नंदकुमार साय ने भाजपा नेताओं के साथ रायपुर में विशाल प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था जिसमें नंदकुमार साय भी घायल हुए। उनका पैर फ्रैक्चर हो गया था। इसके बाद उन्होंने जोगी सरकार के अत्याचार को पूरे प्रदेश में मुद्दा बनाया और इसका ऐसा असर हुआ कि अगले चुनाव में कांग्रेस की हार हुई। अजीत जोगी के हाथ से सत्ता तो गई ही, कांग्रेस को लगातार 15 साल तक विपक्ष में बैठना पड़ा। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को खड़ा करने में नंदकुमार साय की अहम भूमिका रही। 2017 में मोदी सरकार में उन्हें राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का प्रमुख बनाया गया था। इस पद पर वे 2020 तक रहे। लेकिन बीते कुछ समय से वे खुद को पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्होंने कई बार पार्टी को लेकर अपनी नाराजगी सार्वजनिक तौर पर प्रकट की। रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को भेजे गए अपने इस्तीफे में भी उन्होंने लिखा कि पिछले कुछ समय से मेरी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से मेरे विरुद्ध अपनी ही पार्टी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा षड्यंत्रपूर्वक मिथ्या आरोप एवं अन्य गतिविधियों द्वारा लगातार मेरी गरिमा को ठेस पहुंचाया जा रहा है। भाजपा के नेताओं ने इस इस्तीफे के बाद कहा तो था कि नंदकुमार साय को मनाने की कोशिश की जाएगी। लेकिन इस्तीफे के घंटे भर के भीतर ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने उन्हें कांग्रेस में आने का न्यौता दिया और सोमवार को नंदकुमार साय का राजनैतिक कायांतरण हो गया। अब वे भाजपाई से कांग्रेसी बन गए हैं और इस घटनाक्रम से राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। श्री साय ने कांग्रेस प्रवेश के मौके पर कहा कि, अटल,आडवाणी की जो पार्टी थी, वो पार्टी अब उस रूप में नहीं है। परिस्थितियां बदल चुकी हैं। दल महत्वपूर्ण नहीं है, आम जनता के लिए काम करना है। मिलकर काम करेंगे तो छत्तीसगढ़ अच्छा होगा। उन्होंने भूपेश सरकार की नरवा गरुवा घुरवा बाड़ी जैसी योजनाओं की तारीफ की और कहा कि इस योजना के जरिए भूपेश सरकार ने गौ का सम्मान किया है। भूपेश बघेल राम वन गमन पथ का निर्माण कर रहे हैं। नंद कुमार साय के इस्तीफे से लेकर कांग्रेस प्रवेश तक की बातों को विश्लेषित करें तो कुछ बातें स्पष्ट होती हैं। पहली, भाजपा में पुराने नेताओं के सम्मान को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब मोदीजी प्रध ाानमंत्री बने थे तो कई कद्दावर नेता मार्गदर्शक मंडल के नाम पर किनारे कर दिए गए थे। इस उपेक्षा का नतीजा अब नजर आ रहा है। दूसरी, श्री साय ने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा षड्यंत्रपूर्वक आरोपों का जिक्र किया है, यानी पार्टी में अंदरूनी खींचतान चल रही है। कर्नाटक में इस बार भाजपा इसी खींचतान का शिकार होते दिख रही है। राजस्थान में भी यह गुटबाजी है। तीसरी, नंदकुमार साय राम और गाय का जिक्र कर यह संदेश अपने समर्थकों को दे रहे हैं कि वे पार्टी बदल रहे हैं, विचारधारा नहीं। उन्होंने पार्टी से अधिक जनता के काम करने को महत्वपूर्ण बताया है। नंदकुमार साय के भाजपा छोड़ने के पीछे वजहें जो भी रही हों, यह तय है कि भाजपा के लिए अब चुनावों में कठिनाइयां बढ़ेंगी। छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है और 90 में से 29 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। पिछली बार भाजपा को आदिवासी इलाके में एक भी सीट नहीं मिली थी, तो इस बार भी जीत के आसार दिख नहीं रहे। बल्कि विधानसभा के बाद आम चुनावों में भी भाजपा के लिए मुश्किल बढ़ सकती है। जबकि श्री साय के कांग्रेस प्रवेश से अब बस्तर से लेकर सरगुजा तक कांग्रेस को जो मुश्किलें पेश आ रही हैं, उन्हें दूर करने में मदद मिल सकती है। यानी कांग्रेस के लिए दोनों तरह से जीतने वाली स्थिति है, बशर्ते वह नंदकुमार साय जैसे वरिष्ठ और जमीन से जुड़े राजनेता का सही इस्तेमाल राज्य और आदिवासियों के हित में करे।

क्या है फासिज्म, जिसकी आहट कई देशों में!

हर युग का अपना फासिज्म होता है और हम इस समय अपने दौर का फासिज्म देख रहे हैं। पुतिन के रूस को अब खुलेआम फासिस्ट कहा जाता है, विशेषकर यूक्रेन पर उसके हमले की बाद से। पुतिन कई बार नाजीवाद का हवाला देकर इस हमले को सही ठहरा चुके हैं। दुनिया के अन्य हिस्सों में भी फासिज्म की पदचाप सुनायी पड़ रही है। राजनैतिक पंडित कह रहे हैं कि अमरीका में रिपब्लिकन...

श्रुति व्यास

आईए, आज फासिज्म पर बात करें। क्यों? इसलिए क्योंकि इन दिनों यह जुमला फैशनेबिल है। शासन का यह अंदाज जहा दुनिया के शासकों में लोकप्रिय हो रहा है वही समझदारों–बुद्धीमानों की चिंता का कारण। इतालवी लेखक और होलोकॉस्ट (जर्मनी में यहूदियों के कत्लेआम) से जिंदा बच निकले प्रीमो लेवी की मानेतो फासिज्म के लिए ष्केवल पुलिसिया आतंक ही पर्याप्त नहीं है बल्कि सूचनाओं तथा जानकारियों को छुपाकर या उन्हे तोड़–मरोड़ कर पेश करने, झूठ से उसकी जमीन तैयार की जाती है। अदालतों को कमजोर करके, शिक्षा व्यवस्था को पंगु बनाकर और कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीकों से जनता के मन में अतीत के उस काल्पनिक काल, जब कुछ ठीक था, को वापस लाने की चाहत पैदा करकेदेश में फासिज्म की भक्ति बनाई जाती है। हां, दुनिया के समझदार लोकतांत्रिक देशों में भी इन दिनों फासिज्म के कदमों की आहट सुनायी पड़ रही है।इसलिए हमें चीजों को समझना होगा, सतर्क रहना होगा और सही निर्णय लेने होंगे। वक्त गवाह है कि फासिज्म हमेशा से एक घृणास्पद व डरावना शब्द रहा है। परंतु यह भी सही है कि श्एफ्य अक्षर से शुरू होने वाले अंग्रेजी के एक दूसरे शब्द (जिसे शरीफ लोग इस्तेमाल नहीं करते) की तरह, फासिज्म शब्द का प्रयोग भी बिना सोचे–विचारे किसी भी चीज के लिए किया जाता रहा है। जब दूसरा महायुद्ध खत्म होने की ओर था तो लगा था कि फासिज्म की हार होने जा रही है। लेकिनउस समय जार्ज ओरवेल ने भविष्यवाणी की थी कि आगे चलकर यह शब्द एक गाली भर रह जाएगा, जिसका प्रयोग किसी भी व्यक्ति और किसी भी चीज को गलियाने के लिए किया जाएगा दृ ष्किसान, दुकानदार, सोशल क्रेडिट सिस्टम, शारीरिक सजा, लोमड़ी का शिकार, सांडों की लड़ाई, 1922 की कमेटी, 1944 की कमेटी, किपलिंग, गांधी, च्यांग काई शेक, समलैंगिकता, प्रीसले के रेडियो प्रसारण, यूथ हॉस्टल, ज्योतिष, महिलाएं, कुत्तेष।

फासिज्म दरअसल है क्या? यह उन शब्दों में से एक है जो इसलिए कुख्यात हैं क्योंकि उनकी कोई सटीक और पूर्ण परिभाषा नहीं है। मैंने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के छात्र के नाते कभी फासिज्म को एक विशिष्ट विचारध ाारा के रूप में नहीं पढ़ा दृ एक ऐसी विचारध ाारा जिसकी कोई जड़ हो या जिसका कोई सैद्धांतिकआधार हो जैसे यथार्थवाद या उदारवाद के हैं। ना ही फासिज्म को समझने में कोई थ्यूसीदाइदीज या रूसो हमारी मदद कर सकता है। और ना ही कम्युनिज्म की तरह इसका कोई घोषणापत्र है। यही कारण है कि यदि आप किसी डिक्शनरी में फासिज्म का मतलब ढूढेंगे या इस शब्द को गूगल करेंगे तो जो उत्तर आपको मिलेगा वह निहायत ही अस्पष्ट होगा। और यही कारण है कि फासिज्म को परिभाषित करने या उसका अर्थ समझाने के लिए लगभग हमेशा हिटलर और यहूदियों के कत्लेआम का सहारा लिया जाता है। जाहिर है कि तब यह शब्द भय और अनिष्ट की आशंका पैदा करता है। इतिहास हमें बताता है कि फासिज्म, दरअसल, पहले महायुद्ध से उपजी विशिष्ट परिस्थितियों की प्रतिक्रिया था। इनमें शामिल था कुछ राष्ट्रों का अपमान, उदारवादी पूंजीवाद से मोहभंग और कम्युनिज्म का उदय। फासिज्म की जड़ों को हम इटली में ढूंढ़ सकते हैं जहां बेनिटो मुसोलिनी इस विचार का अगुआ था। उसने कहा था कि वो ष्देश को इस तरह से बदल डालना चाहता है कि आध्यात्मिक और भौतिक दृष्टि से वह इस हद तक परिवर्तित हो जाए कि उसे पहचानना ही मुश्किल हो जाएष। उसकी चाहत अतीत के अंधेरे में गुम हो चुके किसी स्वर्णयुग को वापिस लाने की नहीं थी। वो एक पूर्णतरू नए समाज को आकार देना चाहता था। धीरे–धीरे यह विचार रोमानिया में लोकप्रिय होने लगा, जहां के फासिस्ट आर्थोडॉक्स ईसाई थे। वे हिंसा के सहारे दुनिया को श्पवित्र्य बनाना चाहते थे और उनके अनुयायी यूरोप, अमरीका (कू क्लक्स क्लेन) और दुनिया के अन्य इलाकों में थे।

अमरीका की पूर्व विदेशमंत्री और ष्फासिज्मरू ए वार्निंगष पुस्तक की लेखिका मेडलिन अल्ब्राईट का कहना है कि ष्फासिज्म वामपंथियों, दक्षिणपंथियों या मध्यमार्गियों की विचारधारा नहीं है बल्कि यह एक तरह की प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यक्ति या पार्टी, किसी राष्ट्र या किसी समूह का प्रतिनिधि होने का दावा करते हैं, पहले सत्ता पर काबिज होते हैं और फिर हमेशा सत्तासीन बने रहने का प्रयास करते हैं। फासिस्ट सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया से सत्ता में आ सकती है परंतु वह घोर लोकतंत्र–विरोधी होती है।ष टिमोथी स्नाईडर, जो येल विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर हैं, का कहना है कि फासिज्म की सभी किस्में, तर्क और विवेक पर इच्छा और अभिलाषा की विजय हैं। श्द इकोनॉमिस्ट्य इस बात से सहमत है कि फासिज्म की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है परंतु वह उसे श्एक्सेप्शनलिज्म्य (यह विचार कि कोई देश, समाज, नस्ल, संस्था या आंदोलन असाधारण और विशिष्ट है) व रेससेंटिमेंट (बदला लेने की चाहत) के आधार पर परिभाषित करता है और उसे ईर्ष्या और अपमान से उपजी कुंठा का मिश्रण बताता है। मतलब राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की चाहना के आगे रियलिटी, तर्क व विवेक सब खारिज और जनता उसके पीछे। साधारण तौर पर फासिज्म को ऐसे समझेंरू चमकीले भविष्य के बारे में बातें करना और सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करते जाना। फासिज्म की शुरुआत एक ऐसे नेता के उदय के साथ होती है जो जनता को एक करने की बजाय बांटता है। वह मुख्यधारा के राजनेताओं को कलंकित करता है और किसी भी कीमत पर राजनैतिक विजय चाहता है। वह जनता को बताता है कि उसका राष्ट्र सबसे महान है हालाँकि आमजनों को श्महानताा्य की नितांत गलत समझ होती है। जब हम अपने आसपास यह सब होते देखते हैं तो हम उसे केवल श्राजनीतिा्य कहकर नजरअंदाज कर देते हैं। परन्तु ये सब फासिज्म के आगमन के पूर्व संकेत हैं।

आईपीएल 2023 में गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच हुई गर्म बहस, सिर्फ रह गई थी मारपीट, दोनों पर लगा फाइन

रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बैंगलोर की टीम ने 18 रनों से जीत हासिल की है। इस लो स्कोरिंग मुकाबले में बैंगलोर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। मगर इस मैच में आरसीबी की जीत के अधिक चर्चा टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और लखनऊ के मेंटर गौतम गंभीर की हो रही है।

दरअसल इस बार फिर से गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच विवाद हो गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। दोनों के बीच मुकाबला खत्म होने के बाद जमकर बहस हुई, जो इतनी अधिक थी की दोनों के बीच सिर्फ हाथापाई होना शेष रह गया था। दोनों ही खिलाड़ियों के इस व्यवहार के बाद उनपर सख्त एक्शन लिया गया है।

मैच के बाद हुआ विवाद

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 18 रनों से मात दे दी। इस मुकाबले में जीतने के बाद दोनों ही टीमों के खिलाड़ी आपस में भिड़ रहे थे, जिसके बाद रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली, लखनऊ के मेंटर गौतम गंभीर और लखनऊ के खिलाड़ी नवीन उल हक आपस में भिड़ गए। दोनों के इस व्यवहार के बाद नवीन, विराट और गौतम के खिलाफ सख्त एक्शन लिया गया है। आईपीएल ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि विराट, गौतम गंभीर दोनों को ही आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट 2.21 के लेवल 2 का दोषा पाया गया। वहीं नवीन उल हक को लेवल एक का दोषी पाया गया है। इसके बाद विराट और गौतम गंभीर की 100 फीसदी फीस कटेगी और नवीन की 50 प्रतिशत फीस कटेगी।

ऐसे हुई बहस

दोनों खिलाड़ियों के बीच मैच के बाद तेज बहस हुई थी, जिसे रुकवाने के लिए अन्य खिलाड़ियों को बीच बचाव करने आना पड़ा था। वीडियो में लखनऊ की टीम के अमित मिश्रा, विजय दहिया, केएल राहुल, बेंगलुरु के कप्तान फॉफ डु प्लेसिस भी विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच हो रही तीखी बहस को रुकवाने का प्रयास करते नजर आए।

पहले भी भिड़े हैं खिलाड़ी

बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब विराट कोहली और गौतम गंभीर आपस में भिड़े है। इससे पहले वर्ष 2013 में भी दोनों आईपीएल में भिड़ चुके है। इस दौरान गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे जबकि विराट कोहली बैंगोलर के साथ थे, तब भी दोनों के बीच काफी बहस हुई थी। दोनों के बीच बहस इतने जबरदस्त थी की उस समय भी हाथापाई की संभावना बन गई थी। हालांकि अन्य खिलाड़ियों को दोनों की लड़ाई रुकवाने के लिए बीच बचाव करना पड़ा था। इसके बाद से ही दोनों खिलाड़ियों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे हैं और दोनों एक दूसरे से कम ही मिलते है। हालांकि इस सीजन में पिछले मुकाबले में आरसीबी को लखनऊ ने मात दी थी जिसके बाद गौतम और विराट गले मिलते दिखे थे तब कयास लगाए गए थे कि दोनों के बीच सब सही हो गया है।

मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चौंपियनशिप में मोहम्मद हसामुद्दीन ने जीत के साथ की शुरुआत

कुशल मुक्केबाज मोहम्मद हसामुद्दीन ने सोमवार को ताशकंद उज्बेकिस्तान में शानदार जीत दर्ज करके आईबीए मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चौंपियनशिप 2023 में शानदार प्रदर्शन किया। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही भारत की टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत हुई है। दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता हसामुद्दीन 57 किग्रा ने पहले दौर में मैसेडोनिया के एलेन रुस्तमोव्स्की को 5–0 से हराकर जीत का आगाज किया है। इस मुकाबले में मोहम्मद हसामुद्दीन ने अपनी ताकत, उच्च तकनीकी क्षमता का उपयोग किया और जीत हासिल की। स्टार मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चौंपियनशिप में भारत के अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। 60 किग्रा वर्ग में वरिंदर सिंह उज्बेकिस्तान के मुजीबिलो तुर्सुनोव से हार गए और 0–5 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। मंगलवार को टोक्यो ओलंपियन और 2019 एशियाई चौंपियनशिप में आशीष चौधरी और नवोदित हर्ष चौधरी अपने–अपने टूर्नामेंट के सलामी बल्लेबाजों के लिए रिंग में उतरेंगे। आशीष 80 किग्रा ईरान के मेसम घेशलाघी से भिड़ेंगे, जबकि हर्ष 86 किग्रा का सामना ऑस्ट्रेलिया के बिली मैकलिस्टर से होगा। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने प्रतियोगिता के लिए 13 सदस्यीय टीम उतारी है। प्रतियोगिता में 107 देशों के कई ओलंपिक पदक विजेताओं सहित 538 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। अब तक कुल सात भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने विश्व मुक्केबाजी चौंपियनशिप में पदक जीते हैं और देश के प्रतिभाशाली मुक्केबाज टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में इस संख्या को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

पंजाब किंग्स के सामने होगी मुंबई इंडियंस की कड़ी परीक्षा

मोहाली। पिछले मैच में अप्रत्याशित जीत के बाद अपना अभियान पटरी पर लाने के प्रयासों में जुटी मुंबई इंडियंस की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को यहां होने वाले मैच में पंजाब किंग्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। मुंबई और पंजाब दोनों टीमों के लिए आगे के मैच काफी महत्वपूर्ण है। पांच बार का चौंपियन मुंबई पिछले सत्र में दसवें और आखिरी स्थान पर रहा था और इस बार भी उसकी स्थिति अच्छी नजर नहीं आ रही है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के आठ मैचों में आठ अंक है और वह सातवें स्थान पर है। ऐसे में एक हार से टीम के लिए आगे की राह कांटों भरी हो जाएगी। शिखर धवन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स की टीम के नौ मैचों में 10 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। वह इस मैच में जीत दर्ज करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करना चाहेगी।

मुंबई का राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अंतिम ओवर में मिली जीत से मनोबल बढ़ा होगा। सिंगापुर में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टिम डेविड ने लगातार तीन छक्के जड़कर मुंबई को जीत दिलाई थी। उनकी 14 गेंदों पर खेली गई नाबाद 45 रन की पारी से राजस्थान रॉयल्स का सात विकेट पर 212 रन का स्कोर भी बौना साबित हो गया। भारत के टी20 विशेषज्ञ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव (55), ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन (44), इशान किशन (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 29) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया लेकिन डेविड की पारी का कोई सानी नहीं था जिसमें उन्होंने पांच छक्के और दो चौके लगाए। मुंबई को अपने खिलाड़ियों से पंजाब किंग्स के खिलाफ इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। पंजाब की टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है लेकिन उसके लिए सबसे बड़ी चिंता शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है।

कप्तान शिखर धवन और कुछ हद तक उनके सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह को छोड़कर पंजाब के अन्य बल्लेबाज अपेक्षित योगदान देने में नाकाम रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में हालांकि उसके सभी बल्लेबाजों ने योगदान दिया था जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। पंजाब को यदि अपना विजय अभियान जारी रखना है तो धवन और प्रभसिमरन को अच्छी शुरुआत देनी होगी तथा मध्यक्रम में लियाम लिविंगस्टोन, सैम करेन और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी उपयोगी योगदान देना होगा। पंजाब की टीम को हालांकि जोफ्रा आर्चर से सतर्क रहना होगा जिन्होंने पिछले मैच में अपने कोटे के सभी ओवर करके एक विकेट भी लिया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान और अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला से भी मुंबई को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

भारत– रूस की दूरी और होगी कम, अफगानिस्तान उठाने जा रहा बड़ा कदम

अफगानिस्तान क्षेत्रीय संपर्क स्थापित करने और देश के माध्यम से क्षेत्रीय पारगमन और स्थानान्तरण को बढ़ाने के लिए ष्बड़े पैमाने पर रेलवे नेटवर्क स्थापित करने की योजना बना रहा है। मजार–ए–शरीफ–हेरात–कंधार रेलवे परियोजना के रूप में बिल की गई महत्वाकांक्षी योजना को देश के आर्थिक आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसे घरेलू राजस्व के साथ पूरा किया जाएगा। इस बात की जानकारी आर्थिक मामलों के लिए उप प्रधान मंत्री के कार्यालय की ओर से दी गई है। हालांकि, इसमें परियोजना की अनुमानित लागत का जिक्र नहीं था। जानकारी के मुताबिक 1,468 किलोमीटर लंबा (912 मील) नेटवर्क, जो नौ अफगान प्रांतों के 37 जिलों से होकर गुजरेगा। इसमें 800 गांव होंगे। इसका उद्देश्य अफगानिस्तान के माध्यम से पूर्वी एशिया को ईरान, तुर्की और यूरोप से जोड़ना है। इसका फायदा भारत को भी होने जा रहा है। अफगानिस्तान के माध्यम से मास्को और नई दिल्ली के बीच दूरी और कम हो जाएगी। अफगानिस्तानसबसे छोटा और सबसे किफायती मार्ग बना रहा है। बताया गया है कि रूस और मध्य एशिया को दक्षिण एशिया और अफगानिस्तान के माध्यम से समुद्री बंदरगाहों से जोड़ना भी इसमे शामिल है। अफगानिस्तान को ईरान के चाबहार और बंदर अब्बास बंदरगाहों और पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाह से जोड़ना है। बयान के अनुसार, परियोजना दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में, मजार–ए–शरीफ–हेरात खंड लगभग 657 किमी (408 मील) तक फैला होगा, जबकि दूसरा खंड हेरात से शुरू होकर निमरोज, फराह, हेलमंड और कंध ार से गुजरते हुए और स्पिन बोल्डक पर समाप्त होगा। इसकी 811 किमी (504 मील) की लंबाई है।

कार्यालय : ग्राम पंचायत-बनकटा
विकास खण्ड-मिठवल ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 12.05.2023 को अपराह्न 11.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 01.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 12.05.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **बनकटा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २. २४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बनकटा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **बनकटा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।
14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **बनकटा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
इशातुल्लाह
ग्राम पंचायत–बनकटा
वि0 खंड–मिठवल
जनपद–सिद्धार्थनगर

सचिव
सचिन्द्र पाठक
ग्राम पंचायत–बनकटा
वि0 खंड–मिठवल
जनपद–सिद्धार्थनगर

कार्यालयः ग्राम पंचायत-लौकिया
विकास खण्ड-मिठवल ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 17.05.2023 को अपराह्न 02.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 04.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 17.05.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **लौकिया** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २. २४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **लौकिया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **लौकिया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।
14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **लौकिया** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
मोमिना खातून
ग्राम पंचायत–लौकिया
वि0 खंड–मिठवल
जनपद–सिद्धार्थनगर

सचिव
सचिन्द्र पाठक
ग्राम पंचायत–लौकिया
वि0 खंड–मिठवल
जनपद–सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत-कोटिया गडोरी
विकास खण्ड-मिठवल ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 18.05.2023 को अपराह्न 11.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 01.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 18.05.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **कोटिया गडोरी** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २. २४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **कोटिया गडोरी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **कोटिया गडोरी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।
14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **कोटिया गडोरी** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
वनवारी
ग्रा0 पं0–कोटिया गडोरी
वि0 खंड–मिठवल
जनपद–सिद्धार्थनगर

सचिव
सचिन्द्र पाठक
ग्राम पंचायत–कोटिया गडोरी
वि0 खंड–मिठवल
जनपद–सिद्धार्थनगर

डिफॉल्टर हो सकता है सुपरपॉवर देश अमेरिका

वित्त मंत्री की चेतावनी के बाद बाइडेन को बुलानी पड़ी बैठक

संयुक्त राज्य अमेरिका वित्तीय संकट का सामना कर रहा है और देश की वित्त मंत्री ने चेतावनी दी है कि सुपरपॉवर मुल्क दिवालिया हो सकता है। ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने चेतावनी दी है कि सरकार के पास 1 जून तक अपने बिलों का भुगतान करने के लिए नकदी खत्म हो सकती है। इस खबर के कारण राष्ट्रपति जो बाइडेन को शीर्ष चार कांग्रेस सदस्यों के साथ बैठक बुलानी पड़ी। रिपोर्ट के अनुसार नए अनुमान ने अमेरिका के डिफॉल्ट के जोखिम को बढ़ा दिया है जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। देश पर आए इस संकट के बाद वॉशिंगटन में भारी हलचल मच गई है और ऋण सीमा बढ़ाने के मुद्दे पर डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन नेताओं के बीच लंबी बातचीत होने की उम्मीद है। हालाँकि, हाउस रिपब्लिकन पहले ही ऋण सीमा बढ़ाने के लिए एक विधेयक पारित कर चुके हैं जिसमें खर्च में कटौती शामिल है, जिसे डेमोक्रेट्स ने कहा है कि वे इसे स्वीकार नहीं करेंगे। राष्ट्रपति बाइडेन ने 9 मई को व्हाइट हाउस में इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए हाउस डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज, सीनेट के अधिकांश नेता चक शूमर और रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल को निमंत्रण दिया है। बाइडेन ने जोर देकर कहा है कि वह ऋण सीमा वृद्धि पर बातचीत नहीं करेंगे, लेकिन नई सीमा पारित होने के बाद बजट में कटौती पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी वित्त मंत्री के पत्र से पता चलता है कि अमेरिका 1 जून की शुरुआत में डिफॉल्ट की श्रेणी में प्रवेश कर सकता है, यानी जून महीने में अमेरिका डिफॉल्ट हो सकता है, जिसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी परिणाम होंगे। ट्रेजरी सचिव ने कहा कि निश्चित रूप से सटीक तारीख की भविष्यवाणी करना असंभव है कि आखिर कब ट्रेजरी सरकार के बिलों का भुगतान करने में असमर्थ हो जाएगा।

बड़हलगंज मुक्तिधाम पर जलीं पांच चिताएं

लोगों की चीत्कार से सहम गई शमशान घाट की खामोशी

देसही देवरिया। आजमगढ़ के पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में मौत की मुंह में समाए पांचों संबंधियों की चिता देर रात बड़हलगंज के मुक्तिधाम पर एक साथ जलीं। यह देख मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। हादसे के बाद परिवार के बचे लोगों की तबीयत भी बिगड़ गई है। महुआडीह गांव के ६ रामपुर टोला के रहने वाले कैलाश (37), बोलेरो गाड़ी से पत्नी नीतू देवी (33), बगल की रहने वाली पट्टीदार गुड्डी (45), पत्नी छोटेलाल के साथ अपनी भतीजी रानी (11) और पत्नी का इलाज कराने के लिए 28 अप्रैल की सुबह घर से लखनऊ के लिए निकले। बड़हलगंज पहुंचने के बाद बड़हलगंज थाना क्षेत्र के सिधुआपार लक्ष्मी गांव के अपने अनिल (46) और उनकी पत्नी किरण देवी (42) को भी साथ ले लिए। लखनऊ पहुंचकर इलाज कराकर घर लौटते समय शनिवार देर रात आजमगढ़ पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर अहरौला क्षेत्र के स्टोन 213 के पास बांस लादकर आगे चल रही ट्रैक्टर–ट्रॉली में कैलाश की गाड़ी पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज हुई कि बोलरो के परखचे उड़ गए। कैलाश, नीतू, रानी, गुड्डी और दुक्खी की मौके पर ही मौत हो गई। किरण देवी भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। आजमगढ़ के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। वह खतरे से बाहर बताई जा रहीं हैं। कैलाश उनकी पत्नी नीतू, भतीजी रानी, पट्टीदारी की गुड्डी देवी और साढू अनिल की चिताएं देर रात बड़हलगंज के मुक्तिधाम पर एक साथ जलीं। चिताओं में आग लगते ही वहां मौजूद रिश्तेदारों और गांव वालों के मुंह से निकले चीत्कार भी थमने का नाम नहीं ले रहे थे। एक मुंह से यही निकल रहा था कि भगवान की नियति को भला कौन जान सकता है। इलाज कराने गए अपने सगे संबंधियों के साथ इस तरह हंसता हुआ गया परिवार मौत के मुंह में समा जाएगा। **दरवाजे पर शवों के आते ही हर तरफ मची अफरा–तफरी:** महुआडीह के ६ रामपुर गांव में कैलाश, नीतू, रानी और गुड्डी का शव आजमगढ़ में पोस्टमार्टम के बाद रात 11:40 बजे दो एंबुलेंस से गांव पहुंचा। शवों के नीचे उतारते ही अचानक दिल को दहला देने वाली करुण क्रंदन मानो क्षेत्र के कई गावों तक रात के सन्नाटे को चीरते हुए पहुंच गई। मौके पर कई गांव के लोगों की पहले से ही भीड़ लगी थी। **परिजनों ने उठाई आर्थिक मदद की मांग:** कैलाश और गुड्डी का परिवार कमाता खाता परिवार है। कैलाश मेहनत मजदूरी करके अपने बच्चों व परिवार को बहुत मुश्किल से दो वक्त की रोटी उपलब्ध करा पा रहा था। उसकी मौत के बाद अब जीविका की समस्या उत्पन्न हो गई है। अपनी बेटी रानी को खो चुके बड़े भाई विनोद ने भाई सहित गुड्डी के परिवार को भी प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। **बेटा, बहू और नतिनी के शव को देखकर दादी की हालत बिगड़ी:** कैलाश की मां तारा देवी की तबीयत देर रात बिगड़ गई। परिजन महुआडीह चौराहा पर ले जाकर उनका इलाज कराए। वह बेटा, बहू, नतिनी की मौत से गहरे सदमें में हैं।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत, जांच में जुटी पुलिस

सलेमपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के चेरो दक्षिण टोला गांव में सुबह संदिग्ध परिस्थिति में एक महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मृतका के पति को हिरासत में लेकर जांच में जुट गई। उधर मृतका की मां ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए उत्पीड़न कर हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी पुलिस को तहरीर नहीं मिली है। उधर पोस्टमार्टम में हैंगिंग और दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। कोतवाली थाना क्षेत्र के चेरो दक्षिण टोला गांव निवासी मनीष गुप्ता की शादी दो साल पूर्व बिहार के विजयीपुर क्षेत्र के कोरिया गांव की गीता से हुई। सुबह गीता देवी का (25) शव छत के कुंडे से साड़ी के फंदे में लटका मिला। जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो आनन–फानन उसे फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुट गई। वहीं मृतका की मां कुवारा देवी का आरोप है कि दहेज के लिए उनकी बेटी का उत्पीड़न कर ससुराल वालों ने जान से मार दिया है। पुलिस मृतका के पति मनीष गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कोतवाल गोपाल पांडेय ने बताया कि पंचनामा तैयार कर शव को कब्जे में ले लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग और दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रेक्षक ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

देवरिया। नगरीय निकाय चुनाव के लेकर प्रेक्षक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रमाकांत पांडेय .. विभिन्न मतदान केंद्रों का जायजा लिया। उन्होंने सुविधाओं को देखा और शांतिपूर्ण चुनाव कराने का निर्देश दिया। प्रेक्षक ने नगर पालिका परिषद देवरिया, नगर पंचायत रामपुर कारखाना, तरकुलवा, पथरदेवा, हेतिमपुर, गौरी बाजार एवं बैतालपुर स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों को निर्धारित मानकों के अनुसार अधिक से अधिक वोटर फ्रेंडली बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा, पेयजल, टॉयलेट आदि सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्देश दिया। कहा कि क्षेत्र में सचल दस्ते भ्रमणशील रहें और प्रत्येक संदिग्ध गतिविधि की निगरानी करें। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता मिले तो तत्काल कार्रवाई की जाए। इस दौरान एसडीएम सौरभ सिंह और ईओ रोहित सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित 11 कार्मिकों पर दर्ज होगा केस

देवरिया। पीठासीन अधिकारी व प्रथम मतदान अधिकारी का द्वितीय प्रशिक्षण इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, टाउन हाल में कराया गया। इसमें 09 पीठासीन, मतदान अधिकारी व पिंक बूथ में दो कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। अन्य पीठासीन अधिकारी को नगरीय निकाय के निर्वाचन संबंधी बिंदुओं पर प्रशिक्षित किया गया। पीठासीन अधिकारी के महत्वपूर्ण दायित्व, मतदान शुरू होने से कम से कम 15 मिनट पूर्व मतपेटी की तैयारी कर लेने आदि प्रक्रिया की जानकारी दी गई। सीडीओ रविंद्र कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण में अनुपस्थित पीठासीन, मतदान अधिकारी व कार्मिको के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए संबंधित कार्यालयाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है।

मनरेगा की खराब प्रगति पर सीडीओ ने लगाई फटकार

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मनरेगा योजना की ब्लाकवार समीक्षा की। मानव दिवस सृजन में लक्ष्य 218859 के मुकाबले मात्र 128152 मानव दिवस सृजन होने पर भागलपुर, रामपुर कारखाना, पथरदेवा, सलेमपुर भटनी व बनकटा ब्लॉक के बीडीओ व एपीओ को फटकार लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया। सीडीओ ने बताया कि कुल 1122 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष मात्र 917 ग्राम पंचायतों में ही कार्य चलते हुए पाया गया। विकास खंड भागलपुर 32, लार 28, सलेमपुर 22, बैतालपुर 21, भाटपाररानी में 17 ग्राम पंचायतों में कार्य चलते हुए नहीं पाए जाने पर संबंधित कार्यक्रम अधिकारी व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को कारण बताओ नोटिस निर्गत किया गया। कार्य की मांग करने वाले श्रमिकों को कार्य उपलब्ध कराए जाने की समीक्षा में अब तक कुल 28922 श्रमिकों ने कार्य की मांग की है। इसमें मात्र 10809 परिवारों को ही रोजगार उपलब्ध कराया गया है। कार्यक्रम अधिकारी व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को चेतावनी निर्गत करते हुए समस्त विकास खंड को निर्देश दिए गए कि शत–प्रतिशत परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

बसपा समेत अन्य दलों के नेताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

महराजगंज। बसपा व अन्य दलों के नेताओं ने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया है। सभी को भाजपा कार्यालय पर जिला संयोजक संजय पांडेय, जिला प्रभारी नरेंद्र मणि त्रिपाठी व सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया की मौजूदगी में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि इन नेताओं के भाजपा में आने से पार्टी मजबूत होगी। बसपा छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले राजन तिवारी, अवनीश नारायण त्रिपाठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान भाजपा की सदस्यता लेने वालों में ओपी त्रिपाठी, संजय पांडेय, राकेश पांडेय, नृपेंद्र मणि त्रिपाठी, नितीश त्रिपाठी, सिकंदर कश्यप, अनीश पासवान, बलराम साहनी, अखिलेश मौर्य, शमसाद अली आदि शामि हैं।

ट्रेलर की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत

फरेंदा। महराजगंज मार्ग पर ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार मां–बेटे की मौत हो गई। बाइक चालक को भी हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद राजमार्ग 45 मिनट तक जाम रहा। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार भिटौली थाना क्षेत्र के महदेइया निवासी प्रियंका वर्मा (30) बेटे शिवांश (4) को लेकर देवर सुमित के साथ बाइक से आनंदनगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए आ रही थीं। वह सिद्धार्थनगर में एक निजी अस्पताल में फार्मासिस्ट का प्रशिक्षण ले रही थीं। तीनों बाइक सवार फरेंदा क्षेत्र के भैसहिया महुआरी के सामने पहुंचे थे कि सामने से आ रही ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे में प्रियंका व बेटे शिवांश की घटनास्थल पर मौत हो गई। बाइक चालक सुमित को भी हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद ट्रेलर चालक भागने लगा। लोगों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। हादसे की सूचना पर सीओ अनिरुद्ध कुमार व प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार राय के समझाने के बाद लोगों ने जाम को हटाया। क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि वाहन को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

आंधी, बारिश–ओला से जनजीवन अस्त–व्यस्त, दुकानों के टिनशेड उड़े

देवरिया । दोपहर बाद मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तरकुलवा क्षेत्र में मौसम ने करवट ली और तेज हवा के साथ बारिश–बर्फबारी से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। सड़क पर लगभग 6 इंच मोटी बर्फ की चादर बिछ गई। आंधी से दुकानों के छज्जे उड़ गए। दर्जनों पेड़ उखड़ कर सड़क पर गिर गए, जिससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और घंटों आवागमन ठप हो गया। सड़क किनारे बनी नाली चोक हो गई। पानी पटरियों पर ओवरफ्लो होकर सड़कों के ऊपर से बहने लगा। इस दौरान पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दुकानदारों के दुकान में रखे सामान बर्बाद हो गए। इस नजारे को देखकर हर कोई हतप्रभ था। हर किसी के मुंह से बस एक आवाज निकल रही थी, पहले ऐसा कभी नही देखा था। सुबह से आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे। अचानक दोपहर 3:30 बजे के करीब मौसम का मिजाज बदला और बूंदाबांदी शुरू हो गई। देखते ही देखते चक्रवाती तूफान के साथ तेज करीब 40 मिनट तक तेज बारिश होने लगी। कुछ देर बाद आसमान से बर्फबारी भी शुरू हो गई। बर्फबारी इतनी तेज थी कि पल भर में सड़क पर बर्फ की मोटी चादर बिछ गई। आंधी–पानी के बीच ओले गिरने से हर कोई अवाक रह गया। जो जहां था, वहीं जान बचाकर छिप गया। लगभग आधे घंटे तक हुई लगातार बर्फबारी से सड़क पर लगभग छह इंच बर्फ की मोटी परत जमा हो गई। तरकुलवा कस्बे के मुख्य सड़क के किनारे की नाली चोक हो गई। इससे पानी ओवरफ्लो होकर सड़क के ऊपर से बहने लगा। हवा के झोकों से दुकान के छज्जे उड़ गए। कस्बा अन्तर्गत देवरिया–कसया मार्ग पर दर्जनों पेड़ उखड़ कर गिर गए। इससे आवागमन घंटों ठप हो गया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे बारिश बंद होने के बाद घंटों लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

आंधी पानी से गिरे कई पेड़: तेज आंधी के चलते दुबेटोला गांव के पास चारपहिया वाहन पर एक पेड़ उखड़ कर गिर गया, जिससे वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि गाड़ी खाली थी। वहीं पेड़ गिरने से एक मोटरसाइकिल का चेचिस बीच से टूट गया। इस दौरान कस्बा की दुकान में रखे लाखों रुपये के सामान बर्बाद हो गए। बारिश खुलने के बाद लोग घरों के छतों पर चढ़कर सड़क पर बिछी बर्फ की तस्वीर मोबाइल में कैद करने लगे। पुलिस प्रशासन सड़क पर गिरे पेड़ों की डालियों और तनों को कटवाकर सड़क को खाली कराया तब जाकर घंटों बाद फिर आवागमन शुरू हो सका।

आंधी–पानी में ओम मैरिज हाल का छज्जा ध्वस्तः चक्रवाती तूफान के बीच तरकुलवा कस्बा के दुबेटोला गांव के समीप स्थित ओम मैरिज हाल का छज्जा उड़कर जमीन पर गिर गया। यह संयोग ही था कि उस वक्त वहां कोई व्यक्ति मौजूद नही था, वरना बड़ी घटना हो सकती थी। इस मैरिज हाल के मालिक सतीश जायसवाल ने बताया कि इतनी उम्र में ऐसी आंधी और बर्फबारी पहले कभी नही देखा था। मैरिज हाल का छज्जा पूरी तरह आंधी में उड़कर जमींदोज हो गया है, जिससे लाखों रुपये की क्षति हुई है। उधर ओले गिरने और आंधी–पानी से सबसे अधिक क्षति मक्के और सब्जी की फसलों को हुआ है। बसंतपुर धूसी, सबवट और कोन्हवलिया गांवों के किसानों की मक्के एवं सब्जी की खेती पूरी तरह तहस–नहस हो गई है।

नाली विवाद में भिड़े पट्टीदार

महाराजगंज। ग्राम करदह में सार्वजनिक नाली टूटने के विवाद को लेकर पट्टीदारों में मारपीट हो गई। पुलिस आठ लोगों पर मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। करदह निवासी राजपति पासवान 29 अप्रैल को अपने घर पर ट्रैक्टर ट्रॉली से मिट्टी गिरा रहे थे। मिट्टी लाते समय पट्टीदार प्रभु पासवान के घर के सामने नाली क्षतिग्रस्त हो गई। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना के तीसरे दिन पुलिस दोनों पक्षों के आठ लोगों पर मारपीट का मुकदमा पंजीकृत किया गया है। ठूठीबारी के कोतवाली जेपी सिंह यादव ने बताया कि गेना देवी की तहरीर पर राजपत पासवान, बैजनाथ,आकाश , कमलावती देवी व दूसरे पक्ष के राजपत पासवान की तहरीर पर प्रभु पासवान,उदई पासवान, गणेश, प्रीतम पर केस दर्ज किया गया है।

बस में बैठने के लिए करनी पड़ती है धक्का–मुक्की

महराजगंज। रोडवेज में परिचालकों की कमी के कारण यात्रियों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। प्रत्येक दिन डिपो में 12 बसें खड़ी रहती हैं। गोरखपुर जाने के लिए यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। हद तो तब हो गई, जब एक महिला को मासूम को बस में बैठाने के लिए खिड़की से अंदर करना पडा। मासूम को अंदर बैठाने का यह नाजारा देखकर रोंगटे खड़े हो गए। महराजगंज डिपो से 48 बसों का संचालन होता है। इसमें 15 अनुबंधित बसें शामिल हैं। जिला मुख्यालय पर आने के लिए रेलवे की सुविधा नहीं है। ऐसे में यहां यात्री पूरी तरह से रोडवेज या निजी वाहनों पर निर्भर है, लेकिन रोडवेज की सेवा ठीक नहीं मिलने से यात्री परेशान रहते हैं। बसें समय पर नहीं मिलतीं। देर से बसें आती हैं तो यात्रियों को चढ़ने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 100 परिचालक की जरूरत, 70 तैनातः निगम की सभी बसों के संचालन के लिए 100 परिचालकों की जरूरत है, लेकिन 70 परिचालक तैनात हैं। यदि परिचालक नहीं आते तो संबंधित रूट की बस खड़ी हो जाती है। ठुठीबारी से कानपुर की सेवा बंद रही। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सर्वजीत वर्मा ने बताया कि रोडवेज में परिचालकों की कमी के कारण वर्कशॉप में 12 बसें खड़ी थीं। इससे बसों के संचालन में परेशानी होती है। तेज धूप में छाया ढूंढते हैं यात्रीः रोडवेज बस स्टेशन निर्माणाधीन है। यहां यात्रियों के बैठने का प्रबंध नहीं है। इससे यात्री जमीन पर बैठकर बसों का इंतजार करते है। निचलौल जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे रमेश ने बताया कि यहां घंटों इंतजार के बाद बस मिलती है। स्टेशन पर यात्रियों को मिलने वाली सुविधा नहीं है, लेकिन अधिकारी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बारिश से राहत, जलभराव आफत

महराजगंज। कई जगहों पर हुई बारिश से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है। पूरा दिन मौसम सुहावना रहा। शहर में फरेंदा रोड पर सर्विस लेन पर जलभराव हो गया। तेज हवा के कारण कई स्थानों पर होर्डिंग गिर गए। दिन में तीन बजे के बाद बिजली गुल हो गई। शाम छह बजे के बाद बिजली आ गई। कई दिनों से तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर था। उमस भरी गर्मी से लोगों की परेशानियां बढ़ गई थीं। मौसम ने अचानक करवट लिया। ठंड हवाओं के बीच बादल छाए रहे। इसके बाद जिला मुख्यालय सहित आसपास के हिस्सों में बारिश शुरू हो गई। देर शाम तक बारिश होती रही। बारिश और ठंडी हवा के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली। शास्त्री नगर के सुमित वर्मा ने बताया कि गर्मी सेराहत जरूर मिली है, लेकिन शहर में जलनिकासी व्यवस्था की पोल खुल गई। शहर में अन्य हिस्सों में जलभराव के साथ सड़कें कीचड़ युक्त हो गई हैं। गन्ना, मेंथा व सब्जी की फसलों को लाभः बारिश से गन्ना, मेंथा व सब्जी की फसलों को लाभ पहुंचा है। गर्मी से झुलस रहे हरे चारे को भी लाभ पहुंचा है। बारिश होने के कारण ईंट भठ्ठों को नुकसान हुआ है। बाहर रखा हुआ कच्चा ईंट बारिश में खराब हो गया। मौसम विशेषज्ञ कैलाश पांडेय ने बताया कि गर्मी से रात मिलेगी। आने वाले दो तीन दिनों तक मौसम ऐसे ही रहने की संभावना है। पछुआ हवा मध्यम गति से रहेगी।

पोलिंग पार्टियां रवानगी स्थल पर व्यवस्थाओं को कराएं दुरुस्त

स्ट्रांग रुम के निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने दिए निर्देश

महराजगंज। नगर निकाय चुनाव में पांच निकायों के लिए पोलिंग पार्टियां की रवानगी के लिए बनाए गए स्थल समेकित विद्यालय धनेवा–धनेई में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरूस्त कराया जाए। इसमें शिथिलता न बरती जाए। ये निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न नगर पंचायतों के टेबल पर फ्लेक्स लगाया जाए और पानी सहित अन्य जरूरी सामग्री की उपलब्धता की जाए। अपर जिलाधिकारी डॉ पंकज कुमार वर्मा ने उन्हें स्ट्रांग रूम और स्टेशनरी पेपर का मिलान कराने व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इसके बाद डीएम ने तहसील फरेंदा में पहुंच कर पोलिंग पार्टी रवानगी सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उप जिलाधिकारी मदन मोहन वर्मा से दोनों नगर पंचायतों के लिए आवंटित टेबल, मतदान कार्मिक, पानी व्यवस्था सहित पार्टी डिस्पैच, स्ट्रांग रूम, मतगणना व अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मतदान केंद्र संख्या छह पर बने बूथ संख्या 11और 12 को देखा और अधिशासी अधिकारी आनंदनगर को निर्देश दिया कि पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराएं। मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियों को किसी प्रकार की समस्या न हो। गांधी नगर मिल कालोनी के मतदान केंद्र संख्या आठ की बूथ संख्या 15,16 व 17 के निरीक्षण में शौचालय, पानी तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को सही करने का निर्देश दिया। निर्वाचन अधिकारियों ने बैलेट पेपर को तैयार कराने का किया कार्यः बुधवार को पोलिंग पार्टी के रवानगी को देखते हुए जिले के दो नगर पालिका व आठ नगर पंचायतों के निर्वाचन अधिकारी व सहायक निर्वाचन अधिकारी ने बूथवार दिए जाने वाले मतदान सामग्री को तैयार कराने का कार्य किया। सभी ने अपने निकायों से जुड़े मतदेय स्थलों पर मानक के मुताबिक बैलेट पेपर भेजने सहित अन्य कार्यों को पूरा कराने पर ध्यान दिया।

निकाय चुनाव शांति व सौहार्द पूर्वक कराएं अधिकारीगण संपन्न एसएसपी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। निकाय चुनाव को को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर सहायक निर्वाचन अधिकारी कराने के लिए ड्यूटी में लगाए गए अधिकारी व कर्मचारी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मतदान स्थल से 100 मीटर दूरी पर विभिन्न दलों के प्रत्याशी अपने अपने टेबल लगाकर मतदाताओं को पर्ची देने का कार्य कर सकते हैं कोई भी प्रत्याशी अपने वाहन से मतदान कराने के लिए मतदान केंद्र तक मतदाता को नहीं लाएगा। मतदाता स्वयं अपने अपने वाहन से मतदान केंद्र के 100 मीटर पहले तक पहुंचेंगे जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ सके। ब्रीफिंग के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण विश्नोई पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक डॉ महेंद्र पाल सिंह पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरुण कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी पुलिस अधीक्षक अपराध हिंदू प्रभा सिंह साहित्य अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

सकुशल संपन्न कराने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर पुलिस लाइन में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये जिससे शांति सौहार्द पूर्वक सकुशल मतदान संपन्न कराया जा सके आज मंगलवार को पुलिस लाइन में पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों नौजवानों को ब्रीफ कर राजेश कुमार सिंह ने पुलिस–प्रशासन को ब्रीफ किया। पुलिस लाइन में ब्रीफिंग के दौरान चुनाव में कानून व्यवस्था को कायम रखने पर जोर दिया गया। कहा कि अराजक तत्वों के खिलाफ सख्ती से पेश आए। मतदाताओं को किसी भी स्तर पर भय का सामना ना करना पड़े। मतदान को निष्पक्षता पूर्वक संपन्न

परीक्षार्थी पकड़ा गया केंद्राध्यक्ष ने परीक्षार्थी को किया निरुद्ध

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोलाबाजार,गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र स्थित बंशी चंद पी जी कॉलेज चिलवा परीक्षा केंद्र पर मंगलवार को प्रातः 8.00 से 11.00 बजे प्रथम पाली परीक्षा में राम गिरीश राय महाविद्यालय के परीक्षार्थी हरि ओम पुत्र ब्रह्मानंद बीएससी भौतिकी चतुर्थ प्रश्नपत्र की परीक्षा में अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए आंतरिक सचल दल की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के उप प्राचार्य एवं सहायक केंद्राध्यक्ष डा राणा सत्य प्रकाश सिंह द्वारा पकड़ा गया। जिसे केंद्राध्यक्ष डॉक्टर कौशलेश मिश्रा ने अनुचित साधन के प्रयोग में निरुद्ध कर दिया।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी दिनेश प्रसाद अग्रहरि को मिला प्रशस्ति पत्र

.अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन उत्तर प्रदेश लखनऊ ने किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी दिनेश प्रसाद अग्रहरि को लगातार तीसरी बार उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन उत्तर प्रदेश लखनऊ आशुतोष पांडेय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिससे सोनभद्र जिले के अधिवक्ताओं ने हर्ष जाहिर करते हुए बधाई दी है। बताया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 19 सितंबर 2020 को वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश प्रसाद अग्रहरि को अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी के पद पर नियुक्त किया गया था। श्री अग्रहरि अपने कर्तव्य एवं दायित्व का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करने लगे। जिसकी वजह से माह दिसंबर 2021 में उत्कृष्ट कार्य करने की वजह से पहली बार 8 जनवरी 2022 को अभियोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 25 मार्च 2022 से 25 सितंबर 2022 के बीच पाक्सो एक्ट में सघन पैरवी कर 19 मामलो में अभियुक्तों को सजा दिलाकर प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त करने पर एक नवंबर 2022 को दूसरी बार प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था। वहीं एक जनवरी 2023 से 28 फरवरी 2023 के बीच 404 गवाहों का बयान दर्ज कराकर उत्कृष्ट कार्य करने पर 9 मार्च 2023 को अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन उत्तर प्रदेश लखनऊ आशुतोष पांडेय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। लगातार तीसरी बार सम्मानित किए जाने पर अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक, सत्यप्रकाश त्रिपाठी, नीरज कुमार सिंह, धनंजय शुक्ला, शशांक शेखर मिश्र, नीरज मिश्र, राजीव कुमार सिंह गौतम, राजीव मिश्र, संतोष पांडेय, पवन कुमार सिंह आदि ने हर्ष जाहिर करते हुए बधाई दी है।

गोला में मतदाताओं की चुप्पी बढ़ा दिया प्रत्याशियों की धड़कन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोलाबाजार,गोरखपुर। जनपद के दक्षिणांचल में स्थित तहसील मुख्यालय की नगर पंचायत गोला जो जिले की सबसे दूसरी बड़ी नगर पंचायत के रूप बिस्तारीकरण होने के बाद स्थान प्राप्त कर चुकी है। नगर निकाय चुनाव में मतदाताओं की चुप्पी प्रत्याशियों की धड़कनों को तेज कर दिया है। वैसे राजनीतिक दलो से मैदान में आये हुए प्रत्याशियों को निर्दलो व दल से निकल कर बगावत करने वालो का दंश खूब झेलना पड़ रहा है। मतदाताओं की शांति प्रत्याशियों के चेहरों पर मायूषी बन स्पष्ट झलक रही है। चुनाव में उतरे प्रत्याशी अपने को पुरी तरह परिणाम के प्रति मायूस दिखाई पड़ रहे है। प्रत्याशियों व उनके समर्थकों का कहना है कि इस चुनाव में कहीं भी वोट बोलते हुए नही दिखा।

बताते चले कि जिले की सबसे बड़ी दूसरे नम्बर का नगर पंचायत गोला लगभग साढ़े बयालीस हजार मतदाताओ को मतदान करने के लिए 16 मतदान स्थल बनाये गए है। जिसमे दो मतदान स्थल अति सम्बेदनशील प्लस 6 अति सम्बेदन शील व 8 संबेदन शील घोषित किये गए है। नगर पंचायत गोला में कुल 19 वार्ड बने है। चेयरमैन पद पर कुल 8 प्रत्याशी मैदान में है। भाजपा कॉग्रेस सपा बसपा के साथ चार निर्दल प्रत्याशी मैदान में है। वही 19 वार्डो में कुल 113 प्रत्याशी सभासद के लिए अपनी भाग्य की आजमाइश कर रहे है। जिसमे दल के साथ निर्दल भी है। सभी वार्डो में दल को निर्दल प्रत्याशी जोर दार टक्कर दे रहे है। चेयरमैन पद पर भी लड़ाई कांटे की चल रही है। मंगलवार देर शाम चुनाव प्रचार निर्वाचन आयोग के निर्देश पर थम गया। अब प्रत्याशी डोर तो डोर मतदाताओं के यहां माथा टेकना शुरू कर दिए। कुछ लोग तो यह कहते नजर आए की चुनाव हमे जितना है। जिस भी प्रकार से मतदाता खुश हो हम खुश करेंगे। और वोट अपने पक्ष में लेंगे। प्रत्याशियों एवम उनके समर्थकों द्वारा इस तरह के किये जा रहे दावे मतदाताओं को संशय में खड़ा कर दिया है। हालांकि प्रत्याशी अपनी वाली करने से बाज नही आ रहे है। स्थानीय प्रशासन सतर्क है लेकिन सब कुछ के बावजूद खेला सम्पन्न किया जा रहा है। गुरुवार को मतदान होना है। मतदाता भी सहर्ष मतदान करने किये मन बना लिए है। लेकिन मत किसके पक्ष में होगा ताज किसके सिर पर बंधेगा यह भविष्य के गर्त में छुपा पड़ा है। मतदाताओं ने दबे जुबान से यह स्वीकार किया कि नगर निकाय चुनाव में सत्तापक्ष का हनक बना रहा और इस हनक के आगे चुनाव आयोग पूरी तरह बौना दिखा।

बसपा और भाजपा एक दूसरे से अंदर ही अंदर मिली हुई हैं:अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बहुजन समाज पार्टी अंदर ही अंदर भाजपा से मिली हुई है। चुनाव में बसपा से सावधान रहना है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर और डॉ0 राममनोहर लोहिया के विचारों और सिद्धांतों पर चलते हुए सभी लोगों को साथ लेकर चल रही है। सहारनपुर में मेयर प्रत्याशी नूर हसन मलिक के समर्थन में रोड–शो के बाद आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग नफरत फैलाने और हिन्दू–मुस्लिम तथा समाज को लड़ाने की राजनीति कर रहे हैं। इनके पास जनता को बताने के लिए खुद का कोई काम नहीं है। भाजपा सरकार ने नगरों में समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों को रोक दिया। भाजपा सरकार ने शहरों में जन सुविधाएं तक नहीं दे सकी। स्मार्ट सिटी के नाम पर धोखा दिया है। शहरों की स्मार्ट सिटी में कोई जन सुविधा नहीं है। स्मार्ट सिटी के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार और लूट हुई है। शहरों में कूड़ा, गंदगी है नालियां और नाले भरे पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल है। मेडिकल कॉलेजों में सुविधाएं नहीं है। सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में बजट नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव शहरी क्षेत्रों में साफ सफाई और जनता की सुविधाओं के लिए है। लेकिन मुख्यमंत्री जी तमंचे की बात करते हैं। मुख्यमंत्रीजी से सफाई, ट्रैफिक, जनसमस्याओं, बेरोजगारी, महंगाई पर सवाल करो तो जवाब तमंचा मिलता है। ऐसे मुख्यमंत्री जी से क्या उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। प्रदेश में हर दिन महिलाओं और बेटियों के साथ घटनाएं हो रही है। व्यापारियों का उत्पीड़न हो रहा है। अन्याय, अत्याचार चरम पर है। मुख्यमंत्रीजी दूसरों को माफिया बताते है, अगर वे स्वयं के मुकदमे वापस न लेते तो उनकी चार्टशीट बहुत लम्बी होती। उन पर तमाम तरह के गम्भीर मुकदमे दर्ज थे। श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी गठबंधन के सभी प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। प्रेस कांफ्रेंस में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद ने निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी और गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की।

उपजिलाधिकारी द्वारा सभी बैरियर की चेकिंग कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। आगामी चुनाव के दृष्टिगत नगर पंचायत घोरावल

में निर्वाचन के दौरान मतदान हेतु मतदाताओं को लुभाने के लिए पैसा बांटने से रोकने के लिए और मतदान में गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों को चिन्हित करने के लिए और उनके विरुद्ध कार्यवाही के लिए पुलिस प्रशासन सख्त है. थाना स्तर से निरोधत्मक कार्यवाही हेतु 214 व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए इनको नोटिस जारी की गयी है। इसके अलावा पैदल गस्त भी प्रतिदिन की जा रही है.सभी 6 बैरियर क्रियाशील है. मंगलवार को उपजिलाधिकारी घोरावल द्वारा इस अवसर सभी बैरियर की चेकिंग का निरीक्षण किया गया और सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

चुर्क में परेड की ली गयी सलामी दिए गए आवश्यक दिशा–निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक मंगलवार परेड की

सलामी ली गयी तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड को दौड़ लगवाई गयी, परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई गयी तत्पश्चात पुलिस लाइन का भ्रमण कर आर्मरी, क्वार्टर गार्द, अर्दली–कक्ष आदि का निरीक्षण कर सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गये। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जनता से अपील

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हो रहे नगर निकाय चुनाव के प्रथम चरण के प्रचार के आज अंतिम दिन कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में वरिष्ठ कांग्रेसजनों, कार्यकर्ताओं, फिल्म जगत के प्रसिद्ध कलाकारों ने व्यापक स्तर पर प्रचार किया। इस दौरान प्रत्याशियों के पक्ष में रोड़ शो, जनसम्पर्क, जन सभा, नुक्कड़ सभा के माध्यम से कांग्रेस प्रत्याशियों की विजय सुनिश्चित करने के लिए जनता से वोट मांगा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जिस तरह से कोरोना काल में आम जनमानस को राहत पहुचाने का कार्य किया है तथा महंगाई, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न, किसानों, व्यापारियों, आदि के ज्वलंत मुद्दों को लेकर जनहित में संघर्ष किया है उससे आम जनता में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनता दिख रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने नगर निकाय चुनाव के प्रथम चरण के होने वाले मतदान में बढ़चढ़ कर कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में हाथ के पंजे पर मोहर लगाकर विजयी बनाने की अपील की है।

780.88 लाख रूपये प्रशमन शुल्क वसूले गए –अपर परिवहन आयुक्त

लखनऊ। प्रदेश के परिवहन मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में परिवहन विभाग अनाधिकृत बस संचालन एवं ओवरलोड वाहनों के खिलाफ 01 अप्रैल से 30 अप्रैल तक लखनऊ परिक्षेत्र में कुल 14255 वाहनों का चालान किया गया तथा 1797 वाहनों को बंद किया गया और इससे कुल 780. 88 लाख रूपये प्रशमन शुल्क वसूल किया गया। अपर परिवहन आयुक्त निर्मल प्रसाद ने बताया कि अनधिकृत बस संचालन एवं ओवरलोड वाहनों के खिलाफ 01 अप्रैल से 30 अप्रैल तक की गई कार्रवाई में 374 बसों का, 2274 ट्रकों का तथा 11607 अन्य वाहनों का चालान किया गया। इसी प्रकार 81 बसों, 866 ट्रकों व 850 अन्य वाहनों को इस दौरान बंद करने की कार्यवाही की गयी। परिवहन मंत्री के मंशानुरूप अनधिकृत बसों एवं ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

पूर्व मध्यमा से उत्तर मध्यमा स्तर का परीक्षा परिणाम 03 मई को होगा घोषित

लखनऊ। सचिव माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, उ0प्र0 राधा कृष्ण तिवारी ने बताया कि वर्ष 2023 की पूर्व मध्यमा से उत्तर मध्यमा स्तर का परीक्षा परिणाम 03 मई, 2023 को अपरान्ह 2: 00 बजे, माध्यमिक शिक्षा निदेशक एवं अध्यक्ष, उ०प्र० माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद डॉ0 महेंद्र देव द्वारा उ०प्र० माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, संस्कृत भवन, 2 शाहमीना रोड, लखनऊ के कार्यालय से घोषित किया जायेगा। सचिव ने बताया कि परीक्षाफल को उ०प्र० माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की वेबसाइट ूनचउेच.बवउ पर देखा जा सकता है। परीक्षाफल से संबंधित किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर परीक्षार्थी परीक्षाफल के निराकरण हेतु मोबाइल नं० 9415595490 एवं 9415189314 पर संपर्क कर सकते हैं।

कार्यलय ग्राम पंचायत–नागनार विकास खण्ड–करमा, जनपद सोनभद्र

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत **नागनार** में वित्तीय वर्ष 2023–2024 में बी०आर०जी०एफ० / जिला योजना अन्तर्गत / स्वछ भारत मिशन क अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य / मनरेगा / पंचम राज्य वित्त / पन्द्रहवां वित्त एवं अन्य प्राप्त निधियों द्वारा धनराशि से निमार्ण कराये जाने हेतु व्यापारकर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामाग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 08.05.2023 तक 10 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर शीलबन्द निविदा जमा कर सकतें है। जिसे दिनांक–09.05.2023 को ही 12 बजे समिति टेण्डर दाताओं जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष खोला जायेगा।

1.	ईट प्रथम श्रेणी एवं द्वितिय श्रेणी	प्रति हजार
2.	इण्टरलाकिंग ईट	प्रतिनग
3.	मोटा बालू, महीन बालू	प्रति धनमीटर
4.	मोरंग	प्रति धनमीटर
5.	सीमेन्ट	प्रतिबोरी
6.	गिट्टी सोलिंग 40–90 / 40–50 / 45–90 एन०एम०	धनमीटर
7.	डाला गट्टी–सभी साइज प्रति	धनमीटर
8.	सरिया	प्रति कुंतल
9.	हैडपंप / रिबोर सामाग्री	प्रतिनग
10.	जे०सी०बी० / कन्प्रेसर / मेव्वर मशीन	प्रति घण्टा
11.	टैक्टर द्वारा मिट्टी की ढुलाइ	प्रति ट्रैक्टर
12.	बोल्डर ढोका 6.9 इंच	प्रतिनग
13.	ह्यूम पाईप	प्रति धनमीटर
14.	फावड़ा, गोइता, तगाड़ी पन्नी	प्रतिनग
15.	स्ट्रीट लाईट / वायरिंग सामाग्री सोलर लाईट पैनल सहित	प्रतिनग
16.	शौचालय दरवाजा, सीट, पत्थर	प्रतिनग
17.	टाइल्स, प्लास्टिक सीट, पेन्ट, डिस्टेम्पर,प्राइमर, डी०पी०सी० पाउडर आदि	प्रतिनग
18.	पानी का टैंकर / समरसेबुल	अदद
19.	लोहे का दरवाजा / एल्मुनियम का दरवाजा	कुंतल अदद
20.	स्टोन ड्रस्ट	प्रति धनमीटर
21.	बिजली वायरिंग से सम्बन्धित सामाग्री	प्रतिनग
22.	रिबोर से सम्बन्धित सामाग्री।	
23.	स्वछता सम्बन्धित किट।	

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– 1. निविदा में सम्मिलित दरें सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2. कार्य विवरण एवं सामाग्री सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामाग्री की आपुर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त की जायेगी तथा सामाग्री कार्यस्थल पहुॅचाने की जिम्मेदारी सम्बन्धित फर्म का होगा। 3. जमानत धनराशि व अन्य जानकारी प्राप्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में सम्पर्क कर सकतें है। खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जप्त कर ली जायेगी। 4. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। 5. बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्रा0प्रधान–सीता देवी
ग्राम पंचायत–नागनार
वि0 खंड–करमा
जनपद–सोनभद्र

सचिव
ग्राम पंचायत–नागनार
वि0 खंड–करमा
जनपद–सोनभद्र

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक
श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

प्रियंका की सिटाडेल बनी दुनिया भर में नंबर 1 सीरीज

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। रूसो ब्रदर्स के निर्देशन में बनी यह सीरीज 28 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर आते ही दुनिया भर में छा गई है। कई हिट सीरीज को पीछे छोड़ सिटाडेल दुनिया की सबसे लोकप्रिय वेब सीरीज में नंबर 1 स्थान पर रही है। आइए जानते हैं टॉप 5 में किसने जगह बनानी है।

सिटाडेल 6 एपिसोड की सीरीज है, जिसके शुक्रवार को पहले 2 एपिसोड ही प्रीमियर हुए हैं। अब हर हफ्ते एक एपिसोड आएगा। शो को दर्शकों और समीक्षकों की ओर से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली है तो प्रियंका के एक्शन अवतार की तारीफ हो रही है। ट्रैकिंग पोर्टल फ्लिक्सपैट्रोल के अनुसार, 29 अप्रैल की ट्रेंडिंग सूची में सिटाडेल पहले पायदान पर रही है। हालांकि, अमेजन प्राइम वीडियो की ओर से अभी शो के आधिकारिक दर्शकों के आंकड़ों का खुलासा नहीं हुआ है।

फिल्म और टीवी ट्रैकिंग साइट की रिपोर्ट के अनुसार, 29 अप्रैल को सिटाडेल 1125 के स्कोर के साथ नंबर 1 रही है। नेटफ्लिक्स के शो स्वीट टूथ का दूसरा सीजन 699 स्कोर के साथ दूसरे और अमेजम प्राइम वीडियो का द मार्वलस मिसेज मैसेल 623 के साथ तीसरे स्थान पर रहा है। इसके अलावा नेटफ्लिक्स का शो द डिप्लोमैट 572 के साथ चौथे और टोनी कोलेट अभिनीत प्राइम वीडियो का पॉवर 533 स्कोर के साथ 5वें पायदान पर रहा।

सिटाडेल में प्रियंका रिचर्ड मैडेन के साथ नजर आई हैं। सीरीज में दोनों जासूस की भूमिका निभा रहे हैं। इसकी कहानी एक वैश्विक स्पाई एजेंसी की है, जो तबाह हो गई है। इस तबाही में दो जासूस (रिचर्ड और प्रियंका) ही अपनी जान बचाने में सफल हो पाते हैं। इसमें रोलैंड मोलर, एशले कमिंग्स, काओलिन स्प्रिंगल हेंड्रिक्स मेडेनस्टेनली टुकी और लेस्ली मैनविल भी शामिल हैं। यह अंग्रेजी के साथ हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई है।

इस थ्रिलर सीरीज की दूसरी किस्त पहले ही शुरू हो चुकी है, वहीं इटली और भारत में इसकी स्पिन ऑफ सीरीज पर भी काम चल रहा है। सिटाडेल के भारतीय संस्करण का निर्देशन राज और डीके कर रहे हैं। इसे सीता आर मेनन द्वारा राज और डीके के साथ ही लिखा गया है। सीरीज में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इनके अलावा सिकंदर खेर भी सीरीज का हिस्सा हैं।

प्रियंका जल्द ही लव अगेन में नजर आने वाली हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट का ऐलान किया है। इसके अलावा वह फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा में कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ नजर आने वाली हैं।

शिमरी आउटफिट में कमर बलखाती नजर आईं पलक तिवारी

टीवी इंडस्ट्री में धमाल मचाने वाली श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने भी फिल्मों में दस्तक दे दी। उन्होंने फिल्म किसी

का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी एक्ट्रेस पलक तिवारी कहर बरपाए रहती हैं। उनकी स्टाइलिश तस्वीरें फैंस के दिलों को बेकरार किए रहती हैं। एक्ट्रेस पलक तिवारी अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराने का हुनर बखूबी जानती हैं। सिल्वर ग्रे कलर की शिमरी लहंगा चोली में एक्ट्रेस पलक तिवारी बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं, उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। बेहद ही कम समय में इस मुकाम को हासिल करने वाली पलक तिवारी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होती हैं। पलक तिवारी अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए हुए हैं। पलक तिवारी अपनी मां एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की तरह ही बेहद खूबसूरत हैं। एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने कातिलाना अंदाज और मनमोहक स्माइल से सभी का दिल घायल कर देती हैं। पलक तिवारी आदित्य सील के साथ मंगता है क्या गाने में भी काम कर चुकी हैं। पंजाबी सिंगर हार्डी संधू के साथ पलक ने बिजली बिजली सॉन्ग किया है। ये गाना इतना पॉपुलर हुआ कि उनका नाम फैंस बिजली गर्ल ही बुलाने लगे। एक्ट्रेस पलक तिवारी सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं।

सुबह उठते ही हो रहा है सिर में दर्द तो ये नॉर्मल नहीं है! इसके पीछे हो सकती है ये बड़ी दिक्कत

क्या आपके दिन की शुरुआत सिरदर्द के साथ होती है... क्या आंख खुलते ही आपको सिर में भारीपन और गर्दन में अकडन महसूस होती है... क्या नींद खुलने के साथ ही आपको मितली महसूस होती है...अगर इन सवालों के जवाब हां हैं या इनमें से किसी एक भी सवाल का जवाब हां है तो आपको अपनी हेल्थ को लेकर अधिक गंभीर होने की जरूरत है, यहां जानें क्या करना है...

सुबह के समय क्यों होता है सिरदर्द?: 'जिन लोगों को क्रॉनिक नेक पेन की समस्या होती है, उनकी सुबह अक्सर सिरदर्द के साथ होती है. हालांकि आपके सिरदर्द की वजह रात को आपका सही पोश्चर में ना सोना, गर्दन की नसों पर दवाब रहना भी हो सकता है. गर्दन दर्द के कारण होने वाली सिरदर्द की समस्या को सर्विकोजेनिक हेडऐक कहते हैं. क्योंकि ये सिरदर्द सर्विकल स्पाइन या सर्विकल मसल्स में होने वाली किसी समस्या के कारण होता है.

'सुबह के समय होने वाले सिरदर्द को लंबे समय तक अनदेखा ना करें. नहीं तो वक्त के साथ दर्द बढ़कर गर्दन और फिर कंधे तक पहुंच सकता है, जिससे नेक स्टिफिंग की समस्या हो सकती है. जिसे आम भाषा में गर्दन अकडना कहते हैं और इसमें गर्दन बिल्कुल भी मूव नहीं हो पाती है.

अक्सर होने वाला सिरदर्द?

यहां बताए गए दर्द के प्रकारों में से यदि किसी भी तरह का दर्द आपको परेशान कर रहा है तो घरेलू नुस्खे अपनाने की जगह डॉक्टर से मिलकर स्थिति को जल्द क्लियर कर लेना बेहतर होता है...

'हर दिन सुबह के समय होने वाला सिरदर्द 'रात को सोने से पहले होने वाला सिरदर्द 'अचानकर शुरू होकर 15 से 30 मिनट में बंद होने वाला सिरदर्द 'सिर के किसी भी एक साइड या फेस के किसी हिस्से में होने वाला दर्द

सिरदर्द को ट्रिगर करने वाला कारण?

रोज किसी एक समय पर होने वाले सिरदर्द के कई अलग–अलग कारण हो सकते हैं. लेकिन स्ट्रेस एक सबसे आम कारण है. हालांकि स्ट्रेस यानी तनाव को हमारे यहां कोई समस्या नहीं माना जाता है लेकिन तनाव वयस्कों में होने वाली लगभग हर मानसिक समस्या का पहला कारण होता है या ट्रिगर एलिमेंट होता है. इसलिए खुद को स्ट्रेस फ्री रखने के लिए डेली एक्सर्साइज, वॉक और मेडिटेशन करना बहुत जरूरी होता है.

फिल्म कुशी से सामंथा रुथ प्रभु का नया लुक आया सामने

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु पिछली बार अपनी हालिया में रिलीज हुई फिल्म शाकुंतलम

में नजर आई थीं, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। अब आने वाले दिनों में सामंथा एक से बढ़कर एक फिल्मों में दिखाई देंगी, विजय देवरकोंडा की कुशी उनकी बहुचर्चित फिल्मों में शुमार हैं। अब निर्माताओं ने सामंथा के जन्मदिन पर कुशी से उनका नया लुक जारी कर दिया है और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। निर्माताओं ने सामंथा की तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, पूरी टीम की तरह से सामंथा को जन्मदिन की बहुत–बहुत बधाई। चारों ओर अधिक दया और खुशी फैलाते रहें। कुशी 1 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। कुशी एक पैन इंडिया फिल्म है। ऐसे में इस फिल्म को आप हिंदी समेत तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में देख सकेंगे। कुछ दिन पहले ही सामंथा ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की है।

फाइबर से भरपूर होती हैं... फिर डायबिटीज में क्यों नहीं खानी चाहिए गाजर?

गाजर में ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं और ये शरीर में ब्लड की कमी को दूर करने में भी बहुत मदद करती है. यही कारण है कि गाजर को सलाद में खाने की सलाह भी दी जाती है और इसका जूस पीने की भी. लेकिन शुगर के मरीजों के लिए गाजर खाना हानिकारक हो जाता है. क्योंकि गाजर खाने से ब्लड शुगर लेवल अचानक से हाई हो सकता है...

डायबिटीज में गाजर क्यों ना खाएं?

'इस बात में कोई शक नहीं है कि खून बढ़ाने के साथ ही गाजर पेट को साफ रखने का काम भी करती है, जिससे लिवर और आंते हेल्दी रहते हैं. लेकिन शुगर पेशेंट्स यदि गाजर की सलाद या जूस का सेवन करते हैं तो इनका ब्लड शुगर लेवल अचानक से हाई हो सकता है.

'ऐसा इसलिए होता है क्योंकि गाजर में नैचरल शुगर कंटेंट काफी हाई होता है, जिस कारण इसका सेवन करने से ब्लड में शुगर की मात्रा हाई हो जाती है और हम सभी काफी फ्रेश और एनर्जेटिक फील करते हैं. लेकिन यदि डायबिटीज के पेशेंट्स का शुगर लेवल इस तरह से अचानक बढ़ जाए तो यह हेल्थ के लिए बहुत बुरा हो सकता है. इसलिए शुगर पेशेंट्स को कभी भी गाजर का जूस या गाजर की सलाद अधिक मात्रा में नहीं लेने चाहिए.

शुगर में कैसे खाएं गाजर?

'आपको गाजर खानी है और आप शुगर के पेशेंट हैं तो इसे खाने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे मिक्स वेज के रूप में खाएं.

'गाजर की सलाद भी मूली, खीरा, ककड़ी इत्यादि के साथ मिलाकर खाएं.

'जितना हो सके गाजर का जूस ना ही पिएं. क्योंकि ये शुगर पेशेंट्स को अधिक परेशान करने वाला हो सकता है. क्योंकि इसमें से गाजर का फाइबर तो अलग हो जाता है जबकि स्वीटनेस बढ़ाने के लिए अलग से शुगर और मिलाई जाती है.

'वेजिटेबल सूप में गाजर का सेवन करना चाहते हैं तो इसमें भी इसकी मात्रा बहुत कम ही रखें, सिर्फ गार्निशिंग के लिए इसका यूज करें.

'वेजिटेबल सूप पीना ही हो तो सबसे पहले ये देख लें कि शुगर के पेशेंट्स के लिए कौन–सी सब्जियां हेल्दी हैं. क्योंकि सभी सब्जियों का सूप शुगर में फायदा देने वाला नहीं होता होता है.

'जब भी गाजर खाने का मन हो तो साथ में कच्चा आंवला जरूर खाएं. क्योंकि ये ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है. इसलिए गाजर की सलाद या जूस में आंवला जरूर यूज करें.